वर्ष : 34 ▸ अंक :44 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, सोमवार, 21 अप्रैल 2025 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

आखिरी शॉट पर चूके अर्जुन, सिर्फ 0.1 अंक से पीछे

▸ पेज -7

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

भगोड़ा घोषित करने की मांग पर संजय भंडारी का एतराज

▸ पेज - 8

रामबन में फ्लैश फ्लड से तबाही

जम्मू-कश्मीर के रामबन में भारी बारिश से भयानक त्रासदी

• हाईवे ब्लॉक, तीन की मौत

एजेंसी । जम्मू

जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में भारी बारिश और बादल फटने से एक भीषण फ्लैश फ्लड आया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। यह हादसा बगना गांव में हुआ, जब लगातार बारिश और बादल फटने के कारण घर ढह गए।

सरी बगना गांव में बादल फटने के कारण दो नाबालिग भाइयों अकीब अहमद और मोहम्मद साकिब समेत तीन लोगों की जान चली गई। इसके अलावा, धरम कुंड में अचानक आई बाढ़ से करीब 40 घर क्षतिग्रस्त हो गए, जिनमें से दस मकान पूरी तरह नष्ट हो गए हैं।

हाईवे पर लैंडस्लाइड, ट्रैफिक प्रभावित

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी लैंडस्लाइड की वजह से ट्रैफिक पर असर पड़ा है। रामबन के एसएसपी कुलबीर सिंह ने बताया कि पांच स्थानों पर हाईवे अवरुद्ध है और मौसम में सुधार होते ही इसे साफ किया जाएगा।

राहत और बचाव कार्य तेज, प्रभावितों को हर संभव मदद

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्लाह और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस घटना पर गहरा दुख जताया। राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए जिला प्रशासन, एसडीआरएफ और अन्य बचाव दल सक्रिय हैं। प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता दी जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री दुख व्यक्त किया और कहा कि स्थानीय अधिकारी और जनप्रतिनिधि प्रभावितों को सहायता प्रदान कर रहे हैं।

घटना दुर्भाग्यपूर्ण, सरकार शोक संतप्त परिवारों के साथ: उपमुख्यमंत्री

रामबन जिले में बादल फटने से तीन लोगों की मौत को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने रविवार को कहा कि सरकार शोक संतप्त परिवारों के साथ है और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करेगी। चौधरी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मैं रामबन जा रहा हूं... यह दुर्भाग्यपूर्ण है। बादल फटने की घटना हुई है... हम सड़क मार्ग से जा रहे हैं क्योंकि मौसम की स्थिति हेलिकॉप्टर के लिए अनुकूल नहीं है। उन्होंने कहा कि हम वहां जाएंगे और स्थिति का आकलन करेंगे। हम स्थिति की समीक्षा करने के बाद आपको जानकारी देंगे। श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग की स्थिति का जिक्र करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग भी क्षतिग्रस्त हो गया है।

पश्चिम बंगाल में हिंसा पर फारूक अब्दुल्ला का बयान

हिंदू-मुस्लिम विभाजन का परिणाम

▸▸ देश के अंदर फैल रही नफरत पर साधा निशाना

एजेंसी । जम्मू

वक्फ संशोधन कानून को लेकर पश्चिम बंगाल में भड़की हिंसा इन दिनों प्रमुख चर्चा का विषय बनी हुई है। बीजेपी इस मुद्दे को लेकर राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर लगातार हमला कर रही है। इसी बीच, नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह जान-बूझकर हिंदू और मुसलमानों के बीच नफरत फैला रही है, जिससे यह नफरत हिंसा में बदल रही है।

रविवार को जम्मू के मढ़ में पत्रकारों से बात करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा, ₹सांप्रदायिक नफरत देश को कमजोर कर रही है। पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा देश में बढ़ते हिंदू-मुस्लिम विभाजन का परिणाम है। वहां बुलडोजर चलाए गए, मस्जिदें गिराई गईं, स्कूल तबाह किए गए, और मुसलमानों के घर ढहा दिए गए। उन्होंने सवाल किया कि इन लोगों का क्या गुनाह था।

'धर्म के नाम पर नफरत फैलाने वाले सबसे बड़ा खतरा'

अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाई थी, लेकिन इसके बावजूद कार्रवाई की गई। उन्होंने यह सवाल उठाया कि क्या कानून केवल कुछ लोगों के लिए अलग है और बाकी के लिए अलग। फारूक अब्दुल्ला ने लोगों से एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि 'खतरा पाकिस्तान या चीन से नहीं, बल्कि उन लोगों से है जो धर्म के नाम पर नफरत फैला रहे हैं।'

न्यूज़ ब्रीफ

दुरई वाइको ने अपना इस्तीफा वापस लिया

नई दिल्ली। एमडीएमके के प्रधान सचिव दुरई वाइको ने पार्टी के नेता मल्लई सत्या के साथ अपने मतभेदों को सुलझाते हुए अपना इस्तीफा वापस ले लिया। यह घोषणा वाइको ने रविवार को की, जब उन्होंने बताया कि उनके बेटे दुरई वाइको ने सत्या के साथ विवाद सुलझा लिया है और अब वह अपने पद पर बने रहेंगे। वाइको ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि शनिवार को दुरई वाइको ने पार्टी के उप महासचिव मल्लई सत्या के साथ बढ़ते मतभेदों के कारण इस्तीफा देने का निर्णय लिया था। हालांकि, रविवार को दोनों नेताओं के बीच चर्चा के बाद यह विवाद समाप्त हो गया। मल्लई सत्या ने दुरई वाइको को पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया, जिसके बाद दुरई ने अपना इस्तीफा वापस लेने का फैसला किया। दुरई वाइको ने शनिवार को बिना नाम लिए मल्लई सत्या पर आरोप लगाते हुए कहा था कि एक वरिष्ठ नेता उनकी सफलता को पचा नहीं पा रहे थे और पिछले चार वर्षों में उन पर लगातार व्यक्तिगत हमले किए गए। पार्टी सूत्रों का कहना है कि यह आरोप मल्लई सत्या पर थे, जिनके साथ दुरई के रिश्ते खराब हो गए थे।

'कांग्रेस ने हमेशा अंबेडकर और संविधान का अपमान किया'

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के झंडूता विधानसभा क्षेत्र में भाजपा द्वारा आयोजित बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके ईकोसिस्टम ने हमेशा डॉ. अंबेडकर और उनके बनाए संविधान का अपमान किया है। जयराम ठाकुर ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के जीवनकाल में और उनके देहांत के बाद कांग्रेस ने कभी भी उन्हें वह सम्मान नहीं दिया जिसके वे हकदार थे। उन्होंने दावा किया कि बाबा साहब को संविधान सभा से हटाने की साजिशें की गईं, लोकसभा चुनाव हराने के लिए 75,000 मतों को अमान्य करवाया गया और उनकी अंतिम विदाई तक को दिल्ली में नहीं होने दिया गया। ठाकुर ने कहा कि स्वतंत्र भारत में कांग्रेस ने बाबा साहब को मंत्रिमंडल से बाहर करने की कोशिश की और उनकी मृत्यु के बाद कोई स्मारक तक नहीं बनवाया। भारत रत्न का सम्मान भी उन्हें 1990 में तब मिला जब केंद्र में भाजपा समर्थित सरकार बनी। उन्होंने आरोप लगाया कि इंदिरा गांधी ने सत्ता बचाने के लिए संविधान की उद्देशिका बदली, आपातकाल थोपकर संविधान को कमजोर किया और अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करते हुए चुनी हुई सरकारों को 90 बार बर्खास्त किया। उन्होंने यह भी कहा कि धारा 370 और 35(A) जैसे प्रावधानों ने कश्मीर के दलितों, खासकर वाल्मीकि समाज के लोगों के अधिकारों को कुचला। राजीव गांधी द्वारा तीन तलाक के फैसले के खिलाफ संविधान में संशोधन करने और राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री के प्रस्ताव को फाड़ने को भी जयराम ठाकुर ने संविधान का अपमान बताया।

निशिकांत दुबे की मुश्किलें बढ़ीं

सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दायर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दायर की गई है। यह याचिका पूर्व आईपीएस अधिकारी और आज़ाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने दाखिल की है। याचिका में सांसद के बयान को न्यायपालिका की गरिमा के खिलाफ बताया गया है।

बीजेपी सांसद पर आपराधिक अवमानना का आरोप

अमिताभ ठाकुर ने याचिका में मांग की है कि बीजेपी सांसद के खिलाफ आपराधिक अवमानना का मामला चलाया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि निशिकांत दुबे ने हाल ही में एक मीडिया इंटरव्यू में सुप्रीम कोर्ट और चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिए थे।

निशिकांत दुबे का विवादास्पद बयान

निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ कहा था कि देश में हो रहे गृह युद्धों के लिए चीफ जस्टिस संजीव खन्ना जिम्मेदार हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट पर संसद की संप्रभुता को कमजोर करने और अपनी सीमा से बाहर जाकर कानून बनाने का आरोप भी लगाया। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाना है तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए।

बीजेपी ने सांसद से किनारा किया

बीजेपी ने निशिकांत दुबे के बयान से खुद को अलग कर लिया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ट्वीट कर कहा कि यह सांसद का व्यक्तिगत बयान है, और बीजेपी इससे सहमत नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बीजेपी हमेशा से न्यायपालिका का सम्मान करती आई है और उसके आदेशों का पालन करती है। कांग्रेस ने बीजेपी से सवाल किया कि क्यों दोनों सांसदों (निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा) के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

आईपीएल सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़

वाशिम में छापेमारी, कई गिरफ्तार, लैपटॉप और मोबाइल जब्त

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

आईपीएल 2025 का रोमांच जहां दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है, वहीं दूसरी ओर सट्टेबाजी का काला कारोबार भी तेजी पकड़ता जा रहा है। महाराष्ट्र के वाशिम जिले में पुलिस ने एक बड़े सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। शनिवार देर रात क्राइम ब्रांच यूनिट-11 ने कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन सट्टा लगाने वाले कई सटोरियों को गिरफ्तार किया। इस दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से लैपटॉप और कई मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

तीन थानों की सीमा में एक साथ छापेमारी

जानकारी के मुताबिक, लाइव मैच के दौरान सट्टा चल रहा था। मालेगांव पुलिस थाना, शिरपुर थाना और अनसिंग थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक साथ छापेमारी कर सट्टेबाजी कर रहे लोगों को रंगे हाथों पकड़ा। शिरपुर थाने की सीमा से 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई।

हर दिन करोड़ों का होता था लेन-देन

क्राइम ब्रांच का कहना है कि ये सट्टेबाज हर दिन आईपीएल मैचों पर करोड़ों रुपये का लेन-देन कर रहे थे। वाशिम जिले का यह इलाका, खासकर मंगरुलपिर, पहले भी सट्टेबाजी को लेकर सुर्खियों में रह चुका है। पुलिस फिलहाल आरोपियों से पूछताछ कर रही है और संभावना जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

विदर्भ का सट्टेबाजी से पुराना नाता

विदर्भ क्षेत्र सट्टेबाजी के मामलों को लेकर पहले भी चर्चाओं में रहा है। वाशिम, शिरपुर और मालेगांव जैसे इलाकों में इससे पहले भी सट्टेबाजी के मामले सामने आ चुके हैं। आईपीएल जैसे बड़े आयोजनों के दौरान इस तरह की अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाई जाए।

देशभर में सक्रिय हैं सट्टा रैकेट

महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि देश के कई राज्यों में आईपीएल मैचों के दौरान ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजी का नेटवर्क सक्रिय रहता है। इससे पहले भी कई बार ऐसे गिरोह पकड़े जा चुके हैं, लेकिन हर साल यह धंधा नए सिरे से पनपता नजर आता है।

विज्ञान मंथन यात्रा के छात्र-छात्राओं से मुख्यमंत्री करेंगे संवाद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् की 17 वीं 'विज्ञान मंथन यात्रा' के लिए चयनित प्रतिभाशाली भावी वैज्ञानिकों से सोमवार, 21 अप्रैल को संवाद करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन मुख्यमंत्री निवास में शाम 7 बजे किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यात्रा पर जाने वाले भावी वैज्ञानिको को सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव विज्ञान मंथन यात्रा का फ्लैग ऑफ भी करेंगे। इस अवसर पर वैज्ञानिक संस्थानों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों उपस्थिति रहेंगे।

परियोजना प्रभारी डॉ. विवेक कटारे ने जानकारी देते हुए बताया कि 17वीं विज्ञान मंथन यात्रा 21 से 27 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। योजना में चयनित प्रतिभागियों को देश की प्रतिष्ठित प्रयोशालाओं और समर्पित वैज्ञानिकों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। यात्रा उपरांत परिषद् द्वारा आयोजित स्कॉलरशिप परीक्षा में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

मुस्तफाबाद हादसे पर कांग्रेस का हमला

'बीजेपी और आप जिम्मेदार, न्यायिक जांच कराए सरकार'

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने मुस्तफाबाद में चार मंजिला इमारत ढहने की घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे प्रशासनिक लापरवाही और राजनीतिक मिलीभगत का नतीजा बताया। उन्होंने कहा कि हादसे में 11 लोगों की मौत और कई के घायल होने के लिए सीधे तौर पर बीजेपी और आम आदमी पार्टी जिम्मेदार हैं। कांग्रेस नेता ने इस गंभीर मामले में उच्चस्तरीय न्यायिक जांच की मांग की है।

दिल्ली में इमारतों की ऊंचाई संबंधी नियम

दिल्ली में रिहायशी प्लॉट की अधिकतम ऊंचाई 15 मीटर हो सकती है, लेकिन कुछ शर्तों के तहत यह ऊंचाई 17.5 मीटर तक बढ़ सकती है, अगर भूतल पर पार्किंग की व्यवस्था है। दिल्ली में 20-22 मीटर तक ऊंची इमारतें देखी जा सकती हैं, जो संबंधित शर्तों के अनुरूप होती हैं।

राजनीतिक संरक्षण में फलफूल रहा है अनधिकृत निर्माण

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मुस्तफाबाद में 2015 में बीजेपी, 2020 में आम आदमी पार्टी और 2025 में फिर से बीजेपी का विधायक रहा है। इन नेताओं के संरक्षण में क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण हुआ। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने 15 साल तक नगर निगम में भ्रष्टाचार से शासन किया, और पिछले तीन साल से आप पार्टी सत्ता में है, लेकिन हालात जस के तस बने हुए हैं।

सख्त कार्रवाई: दिल्ली में 15 खतरनाक इमारतों की पहचान

मुस्तफाबाद के दयालपुर इलाके में चार मंजिला इमारत के गिरने से हुई 11 लोगों की मौत के बाद निगमायुक्त अश्वनी कुमार की सख्ती से कार्रवाई शुरू हो गई है। रविवार को खतरनाक इमारतों की पहचान के लिए सर्वे शुरू किया गया और 15 इमारतों को खतरे की श्रेणी में रखा गया। वार्ड के कनिष्ठ अभियंता (जेई) रवि कुमार सिंह को उनके कार्य क्षेत्र से हटा दिया गया है, साथ ही उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। वहीं, एक अन्य जेई फैजान रजा को उनकी अनुशासनहीनता के कारण बर्खास्त कर दिया गया है।

अवैध निर्माण पर कार्रवाई

मुस्तफाबाद हादसे के बाद निगम ने इलाके में एक अवैध निर्माण को सील कर दिया है, जिसमें दो दुकानें और तीन आवासीय परिसर शामिल हैं। साथ ही एक और अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की प्रक्रिया चल रही है। निगम अधिकारियों ने बताया कि नेहरू विहार वार्ड में भी सर्वे किया जा रहा है क्योंकि यह क्षेत्र घनी आबादी वाला है, और यहां पर अवैध निर्माण की बड़ी संख्या है। मुस्तफाबाद की घटना के बाद दिल्ली के विभिन्न इलाकों, जैसे नेहरू विहार, करावल नगर, सीलमपुर, शाहदरा, और कई अन्य क्षेत्रों में 5 से 6 मंजिला खतरनाक इमारतों का सर्वे किया जा रहा है। इन इमारतों का ढांचा कमजोर पाया गया है और इनमें भारी नुकसान का खतरा हो सकता है।

हिंदी भाषा विवाद में RSS की एंट्री की मांग

मनसे ने मोहन भागवत को लिखा पत्र, कहा- हिंदी थोपने से हिंदुओं में पड़ेगी फूट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में सीबीएसई बोर्ड पैटर्न के तहत हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा बनाए जाने के निर्णय को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इस फैसले के खिलाफ अब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने मोर्चा खोल दिया है। मनसे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत को पत्र लिखकर इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है।

राज्य सरकार के फैसले पर मनसे का विरोध

राज्य सरकार के निर्देश के अनुसार अब मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई अनिवार्य कर दी गई है। लेकिन इस कदम का मनसे, कांग्रेस समेत कई राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने विरोध किया है। मनसे के मुंबई अध्यक्ष संदीप देशपांडे ने मोहन भागवत को पत्र लिखकर चेताया कि इस फैसले से हिंदू समाज में फूट पड़ सकती है।

'हिंदी को जबरन न थोपा जाए'

देशपांडे ने पत्र में लिखा, 'हम नहीं चाहते कि हिंदी को जबरन थोपा जाए। मराठों ने कभी अपनी भाषा दूसरों पर नहीं थोपी। आज जब तकनीक उपलब्ध है, तब भी भाषा थोपी जा रही है, यह गलत है।' उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि मराठों ने 200 वर्षों तक शासन किया, लेकिन कभी मराठी को संपर्क भाषा नहीं बनाया।

'हिंदू समाज को बांटने वाला कदम'

मनसे नेता ने भागवत से अपील की कि वे इस मुद्दे पर हस्तक्षेप कर सरकार को चेताएं। उन्होंने कहा कि यह निर्णय हिंदू समाज को बांटने का काम करेगा, जबकि संघ हमेशा हिंदू एकता की बात करता रहा है। 'यह मुद्दा सिर्फ भाषा का नहीं, हिंदू समाज की एकता का है,' उन्होंने पत्र में लिखा।

मुख्यमंत्री फडणवीस को भी भेजा गया विरोध पत्र

मनसे के अलावा भाषा सलाहकार समिति ने भी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर इस फैसले को वापस लेने की मांग की है। समिति के अध्यक्ष ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा में भाषा थोपना उचित नहीं है और इससे विद्यार्थियों पर अनावश्यक बोझ पड़ेगा। हिंदी की अनिवार्यता को लेकर शुरू हुआ यह विवाद अब राज्य की राजनीति में नया मोड़ लेता दिख रहा है। अब देखना होगा कि संघ इस मुद्दे पर क्या रुख अपनाता है और राज्य सरकार अपने फैसले पर पुनर्विचार करती है या नहीं।

डोंबिवली के 'गटल्या' को नाशिक जेल भेजा गया

डीबीडी संवाददाता | डोंबिवली

डोंबिवली पूर्व के पाथर्ली शेलार नाका इलाके में दहशत फैलाने वाले कुख्यात अपराधी गणेश बालू अहिरे उर्फ 'गटल्या' को तड़ीपार आदेश का उल्लंघन करने पर नाशिक के केंद्रीय जेल में एक साल के लिए स्थानांतरित किया गया है। ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे के आदेश पर यह कार्रवाई की गई है। गणेश अहिरे पर पहले से ही डोंबिवली के विभिन्न थानों में गाली-गलौज, हथियार रखना, धमकी देना, दंगा और शांति भंग जैसे गंभीर अपराधों के 12 मामले दर्ज हैं। शस्त्र अधिनियम के तहत 5 केस और संगठित अपराध अधिनियम (मोक्का) के तहत भी कार्रवाई हो चुकी है। पिछली बार उसे 18 महीनों के लिए तड़ीपार किया गया था, लेकिन वह चोरी-छिपे डोंबिवली लौटकर आपराधिक गतिविधियों में फिर से सक्रिय हो गया था।

तड़ीपार आदेश की अनदेखी कर रहा था कुख्यात बदमाश, एक साल की जेल

नागरिकों से अपील

रामनगर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति दिन या रात में डर फैलाने, हथियार का इस्तेमाल करने या शांति भंग करने की कोशिश करता है, तो उसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

पुलिस की सख्त कार्रवाई, क्षेत्रवासियों ने ली राहत की सांस

रामनगर पुलिस ने सहायक पुलिस आयुक्त सुहास हेमाडे और पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए गटल्या को हिरासत में लिया और सभी कानूनी प्रक्रिया पूरी कर नाशिक जेल भेज दिया। इस कार्रवाई के बाद शेलार नाका क्षेत्र के नागरिकों, व्यापारियों और राहगीरों ने राहत की सांस ली और पुलिस का आभार जताया।

गैंगस्टर के खिलाफ संगठित अपराध कानून के तहत कार्रवाई

गटल्या की बढ़ती दहशत और नागरिकों की शिकायतों को देखते हुए रामनगर पुलिस ने संगठित अपराध कानून के तहत उसे जेल भेजने का प्रस्ताव तैयार किया था। पुलिस आयुक्त डुंबरे ने इसे मंजूरी देते हुए तत्काल प्रभाव से गटल्या को एक साल के लिए नाशिक जेल भेजने का आदेश दिया।

रामनगर पुलिस की सक्रियता से 24 आरोपी जेल में

रामनगर पुलिस की सक्रिय कार्रवाई के चलते पिछले एक साल में इलाके से मोक्का के तहत चार, संगठित अपराध कानून के तहत दो, और तड़ीपारी के तहत 11 अपराधियों पर कार्रवाई हो चुकी है। अब तक कुल 24 अपराधियों को जेल भेजा गया है।

पुलिस ने की अवैध शराब जप्त

डीबीडी संवाददाता | पालघर

पालघर के तलासरी तहसील स्थित वेवजी सोरटीपाड़ा गांव में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ घोलवड पुलिस ने दो व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन दोनों मामलों में कुल 12,470 रुपए मूल्य की अवैध शराब बरामद की गई है। पहली कार्रवाई में ईश्वर सोरटी के पास से किंगफिशर स्ट्रॉन्ग ब्रांड की 38 टिन बियर पुलिस द्वारा जब्त की गई।जब्त शराब की कुल कीमत 5,510 रुपए आंकी गई है। यह शराब आरोपी ने बिना किसी वैध अनुमति के बेच रही थी। इसी तरह विशाल सोरटी से पुलिस ने 48 बोतलें शराब की बरामद की है। शराब की कीमत 6,960 रुपए की बताई गई है। यह माल भी आरोपी ने अवैध रूप से बेचने के लिए रखा था।दोनों मामलों में घोलवड पुलिस ने महाराष्ट्र दारूबंदी अधिनियम की धारा 65 (ई) के तहत केस दर्ज किया है।

क्लस्टर योजना को लेकर निवासियों में असमंजस का माहौल

19 इमारतों के प्रतिनिधियों ने विधायक संजय केलकर से की मुलाकात

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे शहर में क्लस्टर योजना के तहत बिल्डिंग निर्माण का कार्य जारी है, लेकिन इस योजना के क्रियान्वयन को लेकर निवासियों के बीच असमंजस का माहौल है। क्लस्टर योजना के तहत किसी भी भवन का निर्माण पूरा होने और उसमें निवासियों के रहने का कोई उदाहरण नहीं मिलने के कारण बिल्डर और उनके सहयोगी अधिकारियों से पहले ही योजनाबद्ध क्लस्टर क्षेत्र में प्रवेश करने लगे हैं।

विधायक केलकर ने कहा कि अब से निवासियों को क्लस्टर योजना के बारे में किसी भी प्रकार का संदेह हो, तो वे सीधे अधिकारियों से संपर्क करें। इसके अलावा, क्लस्टर योजना के लिए एक अधिकृत अधिकारी को नियुक्त किया गया है, जो निवासियों को पूरी जानकारी प्रदान करेगा।

क्लस्टर योजना पर भ्रम की स्थिति

क्लस्टर योजना के तहत ठाणे में 44 योजनाओं पर काम चल रहा है, जिसमें से किसननगर में काम जारी है, जबकि अन्य क्षेत्रों में अभी भी योजना को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है। बिल्डर्स और उनके सहयोगी निवासियों से संपर्क कर रहे हैं, जिससे योजना को लेकर संदेह पैदा हो रहा है। इस स्थिति को लेकर 19 अनधिकृत इमारतों के प्रतिनिधियों ने विधायक संजय केलकर से मुलाकात की।

विधायक केलकर की नाराजगी, अधिकारियों से दिशा-निर्देश

विधायक संजय केलकर ने बैठक में क्लस्टर विभाग की लापरवाही पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यदि किसी क्षेत्र में क्लस्टर योजना लागू की जाती है, तो अधिकारी पहले क्षेत्र का दौरा कर निवासियों से बातचीत करें। उन्हें योजना की जानकारी और पुनर्वास के बारे में निवासियों को आधिकारिक रूप से सूचित करना चाहिए। इसके बजाय, कुछ निजी लोग और बिल्डर यह काम कर रहे हैं, जिससे योजना की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है।

विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर शरद बुक्स द्वारा व्याख्यान

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर ठाणे महानगरपालिका की विचार-मंथन व्याख्यानमाला में मंगलवार 22 अप्रैल को अक्षय ऊर्जा संरक्षण विषय पर शोधकर्ता शरद कुट्टी का व्याख्यान आयोजित किया गया है। यह व्याख्यान सुबह 11 बजे स्वर्गीय नरेन्द्र बल्लाल सभागार में होगा। विश्व पर्यावरण दिवस 22 अप्रैल और महाराष्ट्र दिवस 1 मई के उपलक्ष्य में इस दौरान पूरे राज्य में पर्यावरण संरक्षण के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस वर्ष का थीम हमारा ग्रह हमारी पृथ्वी है। इस व्याख्यान का आयोजन इसी संबंध में किया गया है। ठाणे मनपा प्रतिष्ठित व्यक्तियों की जयंती और पुण्यतिथि पर उनके फोटो पर हार फूल अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि देता है। विभिन्न दिवसों के अवसर पर कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं। साथ ही स्मरणीय प्रतिष्ठित व्यक्तियों के कार्यों और जानकारी के बारे में जनता को शिक्षित करने तथा उनके विचारों को जागृत करने के लिए 'विचारमंथन व्याख्यानमाला' में प्रतिष्ठित व्यक्तियों के व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं। यह इस श्रृंखला का सोलहवां व्याख्यान है। मनपा आयुक्त सौरभ राव ने ठाणे के लोगों से इस अवसर का लाभ उठाने के लिए आवाहन किया है।

विरार आरटीओ विभाग में करोड़ों के भ्रष्टाचार का आरोप

● आरटीओ अधिकारी अनिल गीते और दीपक उगले पर कार्रवाई की मांग

ओमप्रकाश यादव | विरार

विरार का आरटीओ कार्यालय इन दिनों अवैध धन वसूली के केंद्र के रूप में सामने आ रहा है। आरटीओ कार्यालय में कार्यरत अधिकारियों और दलालों के बीच मिलीभगत के चलते वाहन चालकों से प्रतिमाह करोड़ों की वसूली हो रही है।

आरटीओ अधिकारी दीपक उगले और अनिल गीते पर आरोप है कि वे वाहन चालकों से 2000 से 5000 रुपए तक वसूल करते हैं, खासकर लाइसेंस और बैच जारी करते समय। इसके अलावा, ड्राइविंग टेस्ट के दौरान, यदि वाहन चालक उपस्थित न भी हो, तो दलालों के माध्यम से अवैध तरीके से लाइसेंस जारी किए जाते हैं। यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि जो वाहन चालक स्थानीय मराठी भाषा नहीं जानते, उन्हें भी बिना किसी रुकावट के लाइसेंस और बैच जारी किए जा रहे हैं।

रिश्वत देकर पद प्राप्त करने का आरोप

दूबे ने यह भी बताया कि अनिल गीते ने 10 लाख की रिश्वत देकर विरार आरटीओ में टेस्टिंग ऑफिसर का पद हासिल किया है। बार-बार ट्रांसफर होने के बावजूद गीते को इस पद पर क्यों पुनर्नियुक्त किया जाता है, यह एक बड़ा सवाल है। सचिन दूबे ने विभागीय जांच की मांग करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के आरोपों के बावजूद अनिल गीते को लगातार पदोन्नति क्यों दी जा रही है, यह जांच का विषय है।

भ्रष्टाचार के मास्टरमाइंड अनिल गीते

आरटीआई कार्यकर्ता सचिन दूबे ने आरोप लगाया कि इस पूरे वसूली के खेल के मास्टरमाइंड अनिल गीते हैं, जिनके इशारे पर दलालों के माध्यम से पैसे की वसूली की जाती है। इसके साथ ही उन्हें दीपक उगले का पूरा समर्थन भी प्राप्त है।

अवैध निर्माण पर बॉम्बे हाई कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

नवी मुंबई में अवैध निर्माण को लेकर बॉम्बे हाई कोर्ट ने राज्य की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। कोर्ट ने नगर एवं औद्योगिक विकास निगम (सिडको) की निष्क्रियता पर नाराजगी जताते हुए पूछा—'क्या राज्य में कानून का शासन है या बाहुबल का?' जस्टिस एएस गडकरी और जस्टिस कमल की पीठ ने अवैध निर्माण हटाने में विफल रहने पर सिडको को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि अधिकारी वैध कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान सुरक्षा पाने के हकदार हैं और अवैध निर्माण रोकना उनकी जिम्मेदारी है।

सिडको को एक सप्ताह में कार्रवाई के आदेश

सरपंच की धमकी का हवाला, कोर्ट का तीखा रुख

सिडको ने बताया कि जब अवैध निर्माण पर कार्रवाई की कोशिश की गई तो बोकाडवीरा गांव के सरपंच ने उन्हें धमकी दी। इस पर कोर्ट ने टिप्पणी की कि लोकतंत्र में ऐसे दबाव और धमकियां किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं। यह मामला 2016 की एक याचिका से जुड़ा है, जिसमें एक दंपति ने दीपक पाटिल नामक व्यक्ति द्वारा उनकी 123 वर्ग मीटर ज़मीन पर अवैध रूप से दुकानें बनाए जाने की शिकायत की थी। कोर्ट ने सिडको को निर्देश दिया कि वह एक सप्ताह के भीतर आवश्यक कानूनी कदम उठाते हुए अवैध निर्माण को हटाए।

एसआरए कार्यालय में सुनवाई का दिखावा, पत्रकार को न्याय नहीं मिला

दीपक पवार | मुंबई

एसआरए कार्यालय में पिछले तीन वर्षों से एक पत्रकार के परिवार को उनका वैध घर दिलाने की प्रक्रिया सिर्फ कागजी औपचारिकता बनकर रह गई है। झोपड़पट्टी पुनर्वसन योजना के तहत आवंटित घर पर कब्जा करने वाले घुसपैठियों को बेदखल करने के लिए शुरू की गई कानूनी कार्यवाही अब तक मात्र दिखावा साबित हुई है। पांच सुनवाइयों के बाद भी कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। अब, न्याय की उम्मीद छोड़कर, पत्रकार संजय शिंदे ने 1 मई से एसआरए कार्यालय के बाहर भूख हड़ताल शुरू करने का ऐलान किया है।

पांच सुनवाइयों के बावजूद हक का घर नहीं मिला, 1 मई से भूख हड़ताल की घोषणा

घुसपैठी ने कब्जा किया आवंटित घर

महालक्ष्मी सात रस्ता इलाके में श्रमिक एकता फेडरेशन गृहनिर्माण संस्था के तहत पुनर्वसन योजना के अंतर्गत सी-1601 नंबर की सदनिका दिवंगत प्रभू पेणकर को आवंटित की गई थी। 17 जुलाई 2022 को यह घर उनकी पत्नी लक्ष्मी पेणकर के नाम पर अधिकारिक रूप से सौंपा गया। हालांकि, मनोज परेलकर नामक व्यक्ति ने सोसायटी के पदाधिकारियों की कथित मिलीभगत से इस घर पर कब्जा कर लिया।

एसआरए में लंबित सुनवाइयां और प्रशासन की निष्क्रियता

संजय शिंदे और उनकी पत्नी सुषमा पेणकर-शिंदे 2022 से एसआरए कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अधिकारियों की निष्क्रियता के कारण अब तक उन्हें न्याय नहीं मिला। अब तक उप जिलाधिकारी बाळासाहेब तिडके, औदुंबर पाटील और वंदना गेवराईकर के समक्ष कुल पांच सुनवाइयां हो चुकी हैं। मार्च 2025 में हुए अंतिम सुनवाई के दौरान 'जल्द निर्णय' का आश्वासन दिया गया था, लेकिन डेढ़ महीने बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

प्रशासन के खिलाफ भूख हड़ताल की घोषणा

थक-हार कर संजय शिंदे ने राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, गृहनिर्माण मंत्री समेत सभी उच्चाधिकारियों को निवेदन भेजा है। उनका कहना है कि जब एसआरए से बुजुर्ग और बीमार लोगों को बाहर निकाला जा रहा है, तब एक पत्रकार को न्याय के लिए भूख हड़ताल करनी पड़ रही है – यह प्रशासन की असंवेदनशीलता और नाकामी को उजागर करता है। एसआरए की उदासीनता ने फिर एक आम नागरिक को अपने अधिकारों के लिए सड़क पर उतरने को मजबूर कर दिया है।

भारताचार्य चिंतामणराव वैद्य की पुण्यतिथि पर महापालिका ने दी श्रद्धांजलि

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

भारताचार्य चिंतामणराव वैद्य की पुण्यतिथि के अवसर पर महापालिका की ओर से उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर महापालिका मुख्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें उनके सामाजिक और शैक्षणिक योगदानों को याद किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शिक्षणाधिकारी विजय सरकटे द्वारा भारताचार्य वैद्य की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, 'चिंतामणराव वैद्य ने समाज के उत्थान में जो भूमिका निभाई, वह प्रेरणादायक है। उनका जीवन हमें सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन का मार्ग दिखाता है।'

इस अवसर पर सहायक जनसंपर्क अधिकारी सुमित बोयत समेत कई कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर वैद्य की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

महापालिका अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके विचारों और शिक्षाओं को अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन पर अधिकारियों ने कहा कि चिंतामणराव वैद्य का जीवन आज भी शिक्षकों और समाजसेवियों के लिए एक प्रेरणा है, और उनकी शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं।

आर्य गुरुकुल ने ऑनर सोसाइटी समारोह में छात्र उत्कृष्टता का जश्न मनाया

● समारोह में छात्रों की शैक्षिक और रचनात्मक उपलब्धियों का सम्मान

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

आर्य गुरुकुल ने 19 अप्रैल को अपनी वार्षिक आर्य गुरुकुल ऑनर सोसाइटी (एजीएचएस) कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शैक्षिक और सह-पाठ्यचर्या दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों की उल्लेखनीय उपलब्धियों का जश्न मनाने और उन्हें सम्मानित करने की एक प्रिय परंपरा है। इस वर्ष के मुख्य अतिथि माइंडसेट क्योर क्लिनिक के संस्थापक डॉ. दिनेश गुप्ता रहे, जिन्होंने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम को और भी खास बना दिया।

उभरते लेखकों का सम्मान और साहित्यिक सफलता

कार्यक्रम में आर्य गुरुकुल के उभरते लेखकों का भी परिचय दिया गया। हाल ही में स्कूल ने 'आर्य गुरुकुल के उभरते लेखक' कार्यक्रम की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य कक्षा 2 से 9 तक के छात्रों को लेखन के माध्यम से अपनी रचनात्मकता को व्यक्त करने के लिए प्रेरित करना है। इस पहल में ब्रीबुक्स और पेंगुइन हाउस पब्लिकेशन्स का सहयोग रहा, जिसने छात्रों के साहित्यिक कृतियों के प्रकाशन को संभव बनाया। कार्यक्रम में उभरते लेखकों, जैसे आराध्या भटनागर और पंद्रह अन्य लेखकों को उनके साहित्यिक योगदान के लिए वैश्विक मान्यता मिली। उनकी पुस्तकें शीघ्र ही प्रकाशित होने वाली हैं।

अभिभावकों की बड़ी उपस्थिति और छात्रों की रचनात्मकता

इस कार्यक्रम में 220 अभिभावकों ने भाग लिया, जो अपने बच्चों की उपलब्धियों का समर्थन करने और उनका जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए थे। छात्रों ने विभिन्न प्रकार की कहानियां प्रस्तुत की, जिनमें रोमांच, मित्रता, और आनंद के क्षणों के साथ-साथ हॉरर, थ्रिलर और रहस्य शैलियों में भी रचनाएं शामिल थीं।

शैक्षिक और व्यावहारिक सलाह पर मुख्य अतिथि का संबोधन

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश गुप्ता ने अभिभावकों के साथ मिलकर बच्चों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों से निपटने के बारे में बहुमूल्य जानकारी साझा की। उन्होंने व्यावहारिक रणनीतियों पर जोर दिया और शैक्षिक यात्रा में समर्थन और समझ के महत्व पर प्रकाश डाला।

शिक्षा पर चिंतन और स्व-अध्यान की आवश्यकता

आर्यग्लोबल के चेयरमैन भारत मलिक ने कोचिंग कक्षाओं के बढ़ते प्रभाव पर चिंता जताई और अभिभावकों से स्व-अध्यान को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने सीबीएसई के हालिया परिपत्र का हवाला दिया, जिसमें डमी स्कूलों को बंद करने की बात कही गई थी।

रचनात्मकता को बढ़ावा देते हुए प्रमुख गतिविधियां

प्रधानाचार्या राधामणि अय्यर ने एक पेपर क्राफ्ट गतिविधि प्रस्तुत की, जिसमें यह संदेश दिया गया कि 'प्रत्येक बच्चा अद्वितीय है।' इसके साथ ही, छात्रों में व्यक्तिगत भिन्नताओं को समझने की भावना को बढ़ावा दिया गया।

समारोह का समापन और भविष्य के लिए प्रेरणा

कार्यक्रम का समापन सकारात्मक रूप से हुआ, जिसमें प्रतिभागियों को अपने बच्चों की शैक्षिक यात्रा में आत्मनिर्भरता और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया गया। एजीएचएस की इस पहल ने छात्रों की साहित्यिक प्रतिभा और व्यक्तिगत विकास को नई दिशा दी।

'मोतियाबिंद मुक्त महाराष्ट्र' के लिए सरकार प्रतिबद्ध : फडणवीस

▶▶ वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के सहयोग से 2027 तक मिशन को मिलेगा विस्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार 'मोतियाबिंद मुक्त महाराष्ट्र मिशन' को पूरी गंभीरता से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस जनहितकारी मिशन में वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (WCL) संस्था राज्य सरकार के साथ मिलकर सहयोग कर रही है।

2017 में हुई थी शुरुआत, 2018 में किया गया पुनः प्रारंभ

मुख्यमंत्री ने बताया कि मोतियाबिंद से होने वाली अंधता को रोकने के लिए इस मिशन की शुरुआत वर्ष 2017 में की गई थी, जिसे 2018 में नए रूप में पुनः प्रारंभ किया गया। मिशन के तहत नागपुर स्थित इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज को वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड का सहयोग मिल रहा है, जिससे 2027 तक इसे प्रभावी रूप से लागू किया जा सके।

हर साल होंगे 4,000 मोतियाबिंद ऑपरेशन

फडणवीस ने बताया कि पिछले साल इस संस्था की मदद से लगभग 4,000 मोतियाबिंद ऑपरेशन सफलता पूर्वक किए गए। राज्य सरकार और संस्था के बीच हुए समझौते के अनुसार अगले तीन वर्षों तक प्रतिवर्ष 4,000 ऑपरेशन किए जाएंगे।

ग्रामीण इलाकों में लगाए जाएंगे शिविर, मिलेगा निःशुल्क उपचार

मुख्यमंत्री ने बताया कि संस्था विदर्भ के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर मोतियाबिंद के मरीजों की पहचान करेगी, उन्हें अस्पताल तक पहुंचाएगी और निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराएगी। साथ ही अस्पतालों को आवश्यक आधारभूत सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। फडणवीस ने विश्वास जताया कि WCL के इस प्रेरणादायक योगदान से अन्य स्वयंसेवी संस्थाएं भी इस अभियान से जुड़ेंगी और 'मोतियाबिंद मुक्त महाराष्ट्र' के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेंगी।

शिवनेरी किले पर पर्यटकों पर मधुमक्खियों का हमला, कई घायल

मुंबई। नासिक जिले में स्थित शिवनेरी किले पर रविवार को अचानक मधुमक्खियों ने पर्यटकों पर हमला कर दिया। इससे कई पर्यटक घायल हो गए और उन्हें जुन्नर ग्रामीण अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। जुन्नर पुलिस स्टेशन की टीम ने वन विभाग को पर्यटकों की सुरक्षा का इंतजाम करने का निर्देश दिया है।

पुलिस के अनुसार नासिक जिले में शिवनेरी किले पर शनिवार और रविवार को भारी संख्या में पर्यटक आते हैं। इन पर्यटकों में से किसी ने आज मधुमक्खियों के छत्ते में पत्थर मार दिया था, जिससे मधुमक्खियों ने पर्यटकों पर हमला कर दिया। इससे कई पर्यटक घायल हो गए हैं। इसमें महिलाएं और युवा पर्यटक तथा बच्चे भी शामिल हैं। पिछले डेढ़ महीने में यह तीसरा हमला है। प्रशासन ने पर्यटकों से अधिक सावधान रहने, शांति बनाए रखने तथा किले के उन क्षेत्रों में न जाने की अपील की है, जहां मधुमक्खियां मौजूद रहती हैं।

महाराष्ट्र में 40 लाख के इनामी चार नक्सली गिरफ्तार

▶▶ कमांडों की हत्या समेत गंभीर मामलों में रहे शामिल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के पल्ली जंगल में पुलिस ने सी-60 कमांडो की हत्या में शामिल और 40 लाख रुपये के इनामी चार कट्टर नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सलवादियों की पहचान सेलू मुडेला उर्फ रघु (55), उसकी पत्नी जैनी खराम उर्फ अखिला (41) और जंसी तलंदी उर्फ गंगू और मनीला गावडे उर्फ सरिता (21) के रूप में की गई है। इनमें मुडेला पर 20 लाख रुपये, खराम पर 16 लाख रुपये, तलंदी और गावडे पर दो-दो लाख रुपये का इनाम था।

सी-60 कमांडो की हत्या में शामिल

पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने रविवार को जानकारी दी कि चारों नक्सलवादी ताडगांव पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत पल्ली के एक जंगल में संदिग्ध रूप से घूम रहे थे। इसकी भनक लगते ही ताडगांव पुलिस स्टेशन की टीम ने इन चारों को गिरफ्तार कर लिया। अब तक छानबीन में पता चला है कि चारों इस साल 11 फरवरी को दिरंगी-फुलनार वन क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के दौरान सी-60 कमांडो की हत्या में सीधे तौर पर शामिल थे। पुलिस के अनुसार सेलू मुडेला उर्फ रघु प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) दक्षिण गढ़चिरौली डिवीजन का हिस्सा था। जैनी खराम उर्फ अखिला भामरागढ़ एरिया कमेटी में थी, जबकि जांसी तलंदी उर्फ गंगू और मनीला गावडे भामरागढ़ एलओएस का हिस्सा थे।

इन पर 34 मुठभेड़, सात आगजनी और 23 हत्याएं का आरोप

पुलिस के मुताबिक सेलू मुडेला 77 मामलों में शामिल था, जिसमें 34 मुठभेड़, आगजनी की सात घटनाएं, 23 हत्याएं शामिल हैं, जबकि खराम का नाम 29 मामलों में है, जिसमें 18 मुठभेड़, आगजनी की तीन घटनाएं और चार हत्याएं शामिल हैं। जांसी तलंदी कुल 14 अपराधों में शामिल रहा है, जिसमें 12 मुठभेड़ और एक हत्या शामिल है। मनीला 10 अपराधों में शामिल रहा है। इनमें चार हत्याएं और पांच मुठभेड़ और अन्य शामिल हैं। गढ़चिरौली के एसपी नीलोत्पल ने संकेत दिया है कि इस क्षेत्र में माओवादी विरोधी अभियान और तेज किए जाएंगे।

संजय निरुपम का हमला

महाराष्ट्र ने नकारा शिवसेना (यूबीटी) और मनसे को

▶▶ स्वार्थ की राजनीति करने का लगाया आरोप, कहा- अब दोनों दल राजनीतिक रूप से अप्रासंगिक

▶▶ राजनीतिक लाभ के लिए कर रहे 'महाराष्ट्र' का इस्तेमाल

दोपहर संवाददाता | मुंबई

शिवसेना के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता संजय निरुपम ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में तीखा हमला करते हुए कहा कि महाराष्ट्र की जनता ने शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) जैसी स्वार्थी और अवसरवादी पार्टियों को पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये दोनों दल सिर्फ अपने निजी और राजनीतिक लाभ के लिए 'महाराष्ट्र' के नाम का उपयोग करते हैं।

'सत्ता के पीछे भाग रही हैं ये पार्टियां'

निरुपम ने कहा कि ये पार्टियां केवल महाराष्ट्र के लिए खड़े होने का दिखावा करती हैं, जबकि असल में वे सत्ता और स्वार्थ के पीछे भाग रही हैं। यही वजह है कि आज ये दोनों राजनीतिक रूप से अप्रासंगिक हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) अब बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा से पूरी तरह भटक चुकी है।

उद्धव ठाकरे पर लगाया विचारधारा से भटकने का आरोप

संजय निरुपम ने उद्धव ठाकरे पर कांग्रेस से गठबंधन कर हिंदुत्व के सिद्धांतों से समझौता करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं और सत्ता की भूख के लिए बालासाहेब के रास्ते को छोड़ दिया है। इसी कारण जनता ने उन्हें खारिज कर दिया है और अब वे हताशा में मनसे प्रमुख राज ठाकरे के पास जा रहे हैं। मनसे की राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए निरुपम ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में मनसे एक भी सीट नहीं जीत पाई थी। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, 'जब आप शून्य में शून्य जोड़ते हैं, तो परिणाम भी शून्य ही होता है।' उन्होंने दोनों दलों को राजनीतिक रूप से दिवालिया करार दिया।

साइबर धोखाधड़ी को गंभीरता से नहीं ले रही पुलिस!

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

देश में साइबर धोखाधड़ी और अपराध के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। इन मामलों में महाराष्ट्र भी पीछे नहीं है। महाराष्ट्र में देखा जा रहा है कि पुलिस साइबर धोखाधड़ी के मामले को गंभीरता नहीं ले रही है। इस पर बंबई उच्च न्यायालय ने खुद शहर पुलिस की खबर ली, जिसके बाद अपराध विभाग एक्शन में आया। बंबई उच्च न्यायालय को शहर की पुलिस ने आश्वासन दिया है कि वह साइबर धोखाधड़ी की शिकायतों पर तत्परता से कार्रवाई करेगी और सभी पुलिस अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने एवं प्राथमिकी दर्ज करने के प्रति संवेदनशील बनाया जाएगा।

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की खंडपीठ ने 15 अप्रैल को पारित आदेश में कहा कि साइबर धोखाधड़ी के मामले बढ़ रहे हैं और वरिष्ठ नागरिक तेजी से ऐसी ठगी के शिकार बन रहे हैं। अदालत शहर की एक महिला द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें उसने दावा किया था कि वह साइबर धोखाधड़ी की शिकार हुई है और जब उसने स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना देने की कोशिश की तो उसने तुरंत कार्रवाई नहीं की।

साइबर में नहीं हमारी स्पेशालिटी

याचिका के अनुसार, महिला ने संबंधित थाने से संपर्क किया और सुरक्षा कर्मियों को साइबर धोखाधड़ी के बारे में सूचित किया, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए प्राथमिकी दर्ज नहीं की कि उनके पास साइबर ठगी के मामलों से निपटने के लिए उपयुक्त कर्मी या विशेषज्ञता नहीं है। महिला ने अपनी याचिका में कहा है कि प्राथमिकी दर्ज न होने और तुरंत कार्रवाई न होने के कारण उसे 45 लाख रुपये गंवाने पड़े। याचिका में दावा किया गया है कि जब तक पुलिस ने कार्रवाई की, बैंक खाते में सिर्फ दो लाख रुपये ही बच पाए। संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध विभाग) लखमी गौतम 15 अप्रैल को उच्च न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुए और बताया कि वर्तमान में वह शहर के पांच साइबर थानों की निगरानी कर रहे हैं। गौतम ने कहा कि 10 लाख रुपये से कम की साइबर धोखाधड़ी की जांच स्थानीय थानों द्वारा की जाती है, जबकि इससे अधिक की राशि की जांच साइबर थाने करते हैं। उन्होंने अदालत को आश्वासन दिया कि वे साइबर धोखाधड़ी से निपटने के लिए पुलिस को संवेदनशील बनाने के वास्ते कदम उठाएंगे, ताकि ऐसे मामले सामने आने पर मामला तुरंत दर्ज किया जा सके। गौतम ने यह भी कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे कि हस्तांतरित धनराशि जल्द से जल्द वापस हासिल किया जाए।

महाराष्ट्र साइबर सुरक्षा निगम का गठन

याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को बताया कि साइबर धोखाधड़ी के मुद्दों से निपटने के लिए राज्य सरकार ने महाराष्ट्र साइबर सुरक्षा निगम नामक एक निगम का गठन किया है। अदालत ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (महाराष्ट्र साइबर) को भी निर्देश दिया कि वह 22 अप्रैल को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अदालत के समक्ष पेश होकर महाराष्ट्र साइबर सुरक्षा निगम के गठन के बारे में पीठ को जानकारी दें।

महाराष्ट्र में भाजपा के 963 मंडलों में अध्यक्ष नियुक्ति

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महाराष्ट्र प्रदेश संगठन ने राज्यभर में कुल 1221 मंडल बनाए गए हैं। इनमें से 963 मंडल अध्यक्षों की नियुक्त हो चुकी है। भाजपा संगठन ही सच्ची शक्ति है के सिद्धांत पर काम करते हुए अब महाराष्ट्र में मजबूत गढ़ बनाने की तैयारी शुरू कर दी है।

भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने रविवार को बताया कि भाजपा के संगठनात्मक निर्माण का यह चरण महाराष्ट्र के सभी हिस्सों में अपनी राजनीतिक ताकत को मजबूत करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। प्रदेशभर में 258 नए मंडलों सहित 1221 मंडल गठित किए जा चुके हैं, जिनमें से 963 मंडल की कार्यकारिणी घोषित की जा चुकी है। इनमें से ठाणे संभाग में 184 मंडल, उत्तरी महाराष्ट्र में 184 मंडल, पश्चिमी महाराष्ट्र में 222 मंडल, विदर्भ में 313 मंडल और मुंबई डिवीजन में 111 मंडल शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यह सभी नियुक्तियां महज आंकड़े नहीं हैं, बल्कि पार्टी के जनाधार के आधार पर उसकी ताकत बढ़ाने का प्रयास है। यह भाजपा की कार्यपद्धति के अनुशासन, संगठन और समयबद्धता को स्पष्ट रूप से उजागर करता है।

उल्लेखनीय है कि भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण के नेतृत्व में स्थानीय निकाय चुनावों के लिए एक संगठित और समर्पित कार्यकर्ताओं को पदाधिकारी बनाया जा रहा है। भाजपा की रणनीति अब अधिक गांवों तक पहुंचने और आम मतदाता से सीधे संवाद करने पर केंद्रित है।

उद्धव को बेदखल करेगा MVA गठबंधन!

▶▶ रामदास अठावले ने किया बड़ा दावा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में बीते दिन राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के एक होने की पर राजनीति गरमा गई। हालांकि, दोनों के गठबंधन का कई लोगों ने खुशी जाहिर कि तो कई नेताओं का कहना था कि ये गठबंधन मुमकिन नहीं है। इस मामले में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दोनों गुटों के साथ आने वाली बात पर खुशी जाहिर की थी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, अगर दोनों एक साथ आते हैं, तो हमें खुशी होगी, क्योंकि अगर लोग अपने मतभेद सुलझा लेते हैं, तो यह अच्छी बात है। मैं इसके बारे में और क्या कह सकता हूं? मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बयान पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने भी प्रतिक्रिया दी। देवेंद्र फडणवीस की टिप्पणी पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा, मुझे नहीं लगता कि उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे साथ आएंगे, लेकिन अगर वे साथ आते हैं, तो हम उसका स्वागत करेंगे। मुझे नहीं लगता की दोनों भाई साथ आएंगे। लेकिन, दोनों भाई साथ आते हैं तो अच्छा रहेगा। इसका महाराष्ट्र की राजनीति पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा।

कांग्रेस-पवार नहीं करेंगे स्वीकार

रामदास अठावले ने बताया कि अगर दोनों भाई साथ आ जाते हैं तो सरकार को सबसे बड़ा फायदा होगा। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा, इससे हमें फायदा होगा क्योंकि अगर राज ठाकरे उनके साथ आते हैं, तो उद्धव ठाकरे महा विकास अघाड़ी में अपनी जगह खो देंगे क्योंकि कांग्रेस और एनसीपी (एससीपी) राज ठाकरे को स्वीकार नहीं करेंगे। उद्धव ठाकरे को महाविकास अघाड़ी छोड़नी पड़ेगी। इससे एक नया मोर्चा बनेगा और इससे हमें फायदा होगा। महायुति मुंबई और महाराष्ट्र में बहुत मजबूत है।

उन्होंने आगे कहा, राजनीति में कब क्या होगा पता नहीं। महायुति को टक्कर देने की भूमिका महायुति की रही है। जैसे विधानसभा चुनाव में 230 सीटें हासिल कर जीती है। वैसे ही मुंबई और महाराष्ट्र में महायुति मजबूत बनी रहेगी।

संजय राउत ने दी सफाई

इस मामले में अपडेट देते हुए शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के बीच गठबंधन की कोई घोषणा नहीं हुई है, लेकिन उन्होंने दावा किया कि दोनों के बीच भावनात्मक बातचीत" चल रही है। संजय राउत ने कहा कि शिवसेना यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मनसे के अध्यक्ष और अपने चचेरे भाई राज ठाकरे के साथ सुलह के लिए कोई पूर्व शर्त नहीं रखी है। राउत ने कहा, "गठबंधन की कोई घोषणा नहीं हुई है। फिलहाल भावनात्मक बातचीत जारी है। राज्यसभा सदस्य ने कहा, "वे (राज और उद्धव) पारिवारिक कार्यक्रमों में मिलते हैं। वे भाई हैं।

नितेश राणे ने उद्धव ठाकरे पर कसा तंज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे की सुलह की संभावनाओं पर चर्चा तेज है। इस बीच बीजेपी नेता और राज्य सरकार में मंत्री नितेश राणे ने शिवसेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर तंज कसते हुए सवाल उठाया है कि क्या राज ठाकरे के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया देने से पहले उद्धव ने अपनी पत्नी रश्मि ठाकरे से अनुमति ली थी?

'रश्मि ठाकरे ने ही कराया था शिवसेना से बाहर?'

नितेश राणे ने एक पॉडकास्ट में दावा किया कि रश्मि ठाकरे का शिवसेना के फैसलों में अहम दखल होता है और उन्हीं के कहने पर कभी राज ठाकरे को पार्टी से बाहर किया गया था। उन्होंने कहा कि उस समय उद्धव और राज के बीच कोई गंभीर मतभेद नहीं था, लेकिन रश्मि को ही राज से ज्यादा दिक्कत थी। राणे ने यह भी कहा कि अगर उद्धव दोबारा राज से हाथ मिलाने की सोच रहे हैं, तो उन्हें रश्मि की मंजूरी लेनी होगी।

'जो अंदर की राजनीति जानते हैं, वो मेरी बात समझेंगे'

नितेश राणे ने कहा कि जो भी शिवसेना की आंतरिक राजनीति को समझते हैं, वे इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि रश्मि ठाकरे का पार्टी निर्णयों में प्रभाव रहता है। उन्होंने इस दावे पर उद्धव ठाकरे को चुनौती भी दी और कहा कि वह इस मुद्दे पर सार्वजनिक बहस के लिए तैयार हैं।

उद्धव ने रखी शर्त, कहा- घर बुलाकर खाना नहीं खिलाएंगे

राज ठाकरे द्वारा हाल ही में दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा था कि वे महाराष्ट्र के हित में मतभेदों को भुलाने को तैयार हैं, लेकिन कुछ शर्तों के साथ। उन्होंने कहा, "जो महाराष्ट्र के खिलाफ होगा, उसे घर बुलाकर खाना नहीं खिलाएंगे।" उद्धव ने मराठी समुदाय से एकजुट होने की अपील करते हुए संकेत दिए कि अगर व्यापक हित में जरूरत पड़ी तो पुराने विवाद भुलाए जा सकते हैं।

बीजेपी का पलटवार- हमें नहीं चिंता

राज और उद्धव के संभावित गठबंधन पर नितेश राणे ने कहा कि महाराष्ट्र में महायुति को जन समर्थन मिल चुका है और बीजेपी को किसी भी गठबंधन की चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि जनता ने महायुति को बहुमत दिया है और यह साबित हो गया है कि महाराष्ट्र की जनता उनके साथ है।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अधिक निवेश से गहन तकनीक को संबल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा छेड़े गए टैरिफ युद्ध के बीच, भारत में स्टार्टअप्स हों या बड़ी कंपनियां, दोनों के लिए डीप टेक को विकसित करना और अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। हमें डीप टेक इनोवेशन सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत नीतिगत पहल बनाने की जरूरत है, जिसके लिए पर्याप्त सार्वजनिक निवेश का इंतजाम हो। भारतीय स्टार्टअप्स (नव उद्यमों) के ध्यान के केंद्र को लेकर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा की गई टिप्पणी से शुरू हुई बहस नवाचार और रोजगार सृजन के इर्द-गिर्द घूमती रही। मंत्री जी चाहते हैं कि हमारे स्टार्टअप्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और ग्लोबल लॉजिस्टिक्स जैसे डीप टेक (गहन तकनीकी) क्षेत्रों में काम करें। जिस तरह सरकार स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना चाह रही है, दरअसल, विशाल आकार वाले हमारे उपभोक्ता बाजार से जितने अवसर बन सकते हैं, उसके मद्देनज़र यह अपेक्षा करना उचित भी है। हालांकि, जिस स्थिति का बखान मंत्री महोदय ने किया, उसके पीछे की वजहों पर जब तक हम ध्यान नहीं देंगे, तब तक स्टार्टअप्स के लिए उनकी इस उम्मीद पर खरा उतरना मुश्किल होगा। अधिकांश भारतीय स्टार्टअप्स ने नई तकनीकों के अनुप्रयोग और अपनाने में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन बहुत कम स्टार्टअप्स नई तकनीक को विकसित करने, उसका व्यवसायीकरण करने या फिर भारतीय संस्थाओं द्वारा विकसित तकनीकों एवं खोजों को उद्यमशील उपक्रमों में फलीभूत करने का काम कर रहे हैं।

प्रौद्योगिकी विकास को मौलिक अनुसंधान, विश्वविद्यालयों के साथ समन्वय और यथेष्ट जनशक्ति की आपूर्ति वाले पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता होती है। भारत ने तकनीकी सेवाओं में अच्छा प्रदर्शन किया है क्योंकि इस क्षेत्र के लिए सुयोग्य इंजीनियरिंग जनशक्ति पर्याप्त मात्रा में थी और इस व्यवसाय में मौलिक शोध की आवश्यकता नहीं पड़ती। देश ने शोध प्रणाली, शिक्षाविदों को साथ जोड़कर और प्रशिक्षित जनशक्ति के साथ जीवन विज्ञान क्षेत्र में ठीक-ठाक प्रदर्शन किया है। विदेशी कंपनियों के आउटसोर्स रिसर्च एंड डेवेलपमेंट केंद्रों में काम करने वाले भारतीय उनके लिए नए उत्पाद और बौद्धिक संपदा विकसित कर रहे हैं। वे ऐसा इसलिए कर पाते हैं क्योंकि वहां उन्हें भरपूर निवेश का फायदा प्राप्त होता है और तमाम जरूरी उपकरण उपलब्ध हैं।

डीप टेक क्षेत्र अत्याधुनिक खोजों और उच्च-स्तरीय नवाचार द्वारा संचालित होते हैं, जो आगे चलकर बुनियादी शोध और विश्वविद्यालयों के उन्नयन में गहन और निरंतर निवेश के माध्यम से ही प्राप्त हो सकते हैं। जब देश अपने सकल घरेलू उत्पाद का 1 प्रतिशत से भी कम अनुसंधान और विकास पर खर्च करेगा, तो स्टार्टअप्स से बिल्कुल नई चीज़ें बनाने की उम्मीद करना अवास्तविक होगा। उदाहरण के लिए, पिछले कुछ वर्षों से भारत में सुर्खियों में रहने वाले डीप टेक विषयों में एक है क्वांटम कंप्यूटिंग। सरकार ने 2031 तक 6,000 करोड़ रुपये (लगभग 735 मिलियन डॉलर) के वित्तपोषण के साथ राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (जिसमें मुख्य ध्यान का केंद्र क्वांटम कंप्यूटिंग पर है) बनाने की घोषणा की है। देखने में यह एक बड़ी राशि लग सकती है, लेकिन अन्य देशों की तुलना में यह कुछ भी नहीं है – चीन ने अपनी क्वांटम प्रौद्योगिकी पहल के वास्ते 15 बिलियन डॉलर का सार्वजनिक निवेश आरक्षित कर रखा है। किसी भी क्षेत्र में शोध पत्रों का प्रकाशन मौलिक शोध का एक अन्य महत्वपूर्ण अवयव होता है। चीन का राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान फाउंडेशन क्वांटम कंप्यूटिंग अनुसंधान प्रकाशनों में अपने अमेरिकी समकक्षों से काफी आगे है। हालांकि जब बात पेटेंट की आती है तो आईबीएम, माइक्रोसॉफ्ट

दिनेश सी. शर्मा

और गूगल के अलावा डी-वेव और क्वांटिनम जैसी विशेषज्ञ क्वांटम कंपनियों के पास क्वांटम कंप्यूटिंग से संबंधित पेटेंट बड़ी संख्या में हैं। ये क्वांटम सॉफ्टवेयर स्टैक के मूल स्रोत हैं, जिन पर अन्य कंपनियां निर्भर करती हैं। नतीजतन, इस क्षेत्र में हमारी निर्भरता भविष्य में अंतरराष्ट्रीय कंपनियों पर बढ़ती जाएगी, क्योंकि ऊर्जा से लेकर चिकित्सा तक के क्षेत्रों में समस्याओं के समाधान के लिए डीप टेक का इस्तेमाल पहले से हो रहा है। एक उदाहरण है, नई बैटरी सामग्री की खोज के लिए एआई और उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग (हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग) का संयोजन। हैरानी की बात है कि माइक्रोसॉफ्ट द्वारा विकसित एक एआई मॉडल का उपयोग करके, अमेरिकी ऊर्जा विभाग के पैसिफिक नॉर्थवेस्ट नेशनल लेबोरेटरी के वैज्ञानिक 32 मिलियन संभावित उम्मीदवार सामग्रियों की स्क्रीनिंग करने में सक्षम हुए। वे एक ऐसी नई सामग्री का पता लगा पाए हैं जिसमें लिथियम इलेक्ट्रोलाइट की जरूरत को लगभग 70 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। इस महत्वपूर्ण कार्य का नेतृत्व वैज्ञानिक विजय मुरुगेसन ने किया, जिन्होंने तमिलनाडु के भारथिअर विश्वविद्यालय से पीएचडी की है। यह एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि कैसे डीप टेक नवाचार और उद्योग एवं अनुसंधान संस्थानों के बीच साझेदारी से एक जटिल समस्या का समाधान निकल सकता है।

भारत में कई वर्षों से हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग मिशन और एक मजबूत सामग्री वाला विज्ञान समूह भी है, लेकिन हमें अभी तक ऐसा सहयोग और ऐसा परिणाम देखने को नहीं मिला है। अगर मंत्री महोदय ने 2023 में पीएसए विभाग द्वारा तैयार की गई राष्ट्रीय डीप टेक स्टार्टअप नीति के मसौदे को देखने की जहमत उठाई होती, तो हाल ही में स्टार्टअप इवेंट में जो सवाल उन्होंने पूछे, उनका जवाब खुद-ब-खुद मिल जाता।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा छेड़े गए टैरिफ युद्ध के बीच, भारत में स्टार्टअप्स हों या बड़ी कंपनियां, दोनों के लिए डीप टेक को विकसित करना और अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। हमें डीप टेक इनोवेशन सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत नीतिगत पहल बनाने की जरूरत है, जिसके लिए पर्याप्त सार्वजनिक निवेश का इंतजाम हो।

संपादकीय

वक्फ़ कानून की विसंगतियां सामने आईं

संसद द्वारा पिछले दिनों पारित किये गये वक्फ़ संशोधन अधिनियम के खिलाफ़ मिली लगभग 75 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने दो दिनों तक सुनवाई की। गुरुवार की सुनवाई के बाद अदालत ने सरकार से एक हफ्ते के भीतर जवाब मांगा है। वहीं अगली सुनवाई 5 मई को होगी। इस कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर कपिल सिब्बल व अभिषेक मनु सिंघवी ने दलीलें पेश कीं तथा सरकार का प्रतिनिधित्व महाधिवक्ता तुषार मेहता ने अदालत में किया। दोनों पक्षों के बीच हुई बहस और न्यायाधीशों द्वारा पूछे गये सवालों एवं उनके हस्तक्षेप के माध्यम से जो मुद्दे उभरे हैं वे साफ बताते हैं कि यह कानून धार्मिक आजादी पर बड़ा हमला है, साथ ही संविधान के मूलभूत सिद्धांतों, खासकर समानता व नागरिक अधिकारों पर प्रहार है। इस बेहद विवादास्पद कानून की वैधता पर फैसला जो भी आये, जिरह से साफ है कि संशोधित वक्फ़ कानून लोकतंत्र व संवैधानिक व्यवस्था में आस्था रखने वालों को संतुष्ट करने वाला कतई नहीं है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने जब बुधवार को सुनवाई प्रारम्भ की थी, तभी एडवोकेट सिब्बल ने इस कानून की अनेक विसंगतियों को सामने ला दिया। उन्होंने इसे 20 करोड़ लोगों की स्वतंत्रता एवं अधिकारों को हड़पने वाला कानून बताया और कहा कि यह धार्मिक आजादी तथा धार्मिक मामलों में प्रबंधन की स्वतंत्रता के विरूद्ध है। उन्होंने कानून की धारा 36 के हवाले से कहा कि सम्पत्ति न हो तो भी वक्फ़ बनाया जा सकता है और वह रजिस्टर्ड हो या न हो, यह वक्फ़ करने वाले पर निर्भर है। कानून में वक्फ़ को पंजीकृत करने की अनिवार्यता पर उन्होंने कहा कि वक्फ़ सैकड़ों साल पहले तब बनाये गये थे जब सम्पत्तियों का पंजीकरण नहीं होता था। स्वयं चीफ जस्टिस ने महाधिवक्ता के ध्यान में लाया कि बहुत सी मस्जिदें 13वीं से 15वीं शताब्दी के दौरान बनी हैं। अंग्रेजी शासनकाल के पहले पंजीकरण नहीं होता था तो उसका सेल डीड कैसे दिखाया जा सकता है। एक अन्य वकील हुफेजा अहमदी ने बतलाया कि सरकार ने धारा 3 के जरिये वक्फ़ की परिभाषा ही बदल दी है। सरकार द्वारा वक्फ़ के लिये इस्लाम में आस्था साबित करना भी अनिवार्य कहा गया है। उन्होंने सवाल किया- 'जब कोई जन्म से ही मुस्लिम है तो उसे आस्था को साबित करने की ज़रूरत ही क्या है।' स्वयं सीजेआई ने बुधवार को सुनवाई के दौरान पूछा कि क्या सरकार हिन्दू ट्रस्टों मे गैर मुसलमानों को रखेगी, जिसके जवाब में तुषार मेहता का जवाब हास्यास्पद व टालमटोल करने वाला था। उनके अनुसार किसी ट्रस्ट में गैर हिन्दू सदस्य हो भी सकते हैं और नहीं भी। इस मुद्दे पर तुषार मेहता की यह टिप्पणी अप्रिय रही जिसमें उन्होंने यह कहा कि इस हिसाब से तो इस मामले पर कोई गैर मुसलिम जस्टिस भी सुनवाई नहीं कर सकते। इस पर जस्टिस खन्ना ने कहा कि कोर्ट के जज जब कोई धार्मिक विवाद को सुनते हैं तो निजी आस्थाओं से ऊपर उठकर तथा कानून के अनुसार ही फैसले देते हैं। ऐसे ही, शीर्ष कोर्ट की बेंच ने कहा कि कोई सम्पत्ति वक्फ़ की है या नही, यह सिविल कोर्ट को ही तय करने दिया जाये तो बेहतर। नये कानून में यह अधिकार कलेक्टर के पास चला गया है। जब एड. मेहता ने कहा कि उपयोगकर्ता द्वारा 1925 के पहले भी वक्फ़ स्वीकार किया जाता था, तो बेंच ने पूछा कि नये कानून में उसे अपंजीकृत किया जायेगा या शून्य माना जायेगा। इसका भी संतोषजनक जवाब मेहता के पास न होना बताता है कि सरकार यह बिल पर्याप्त तैयारियों के बिना ही लायी है और जैसे कि सरकार संसद में दावा करती रही है कि इसका उद्देश्य वक्फ़ का फायदा मुस्लिमों को दिलाना है, कहीं परिलक्षित नहीं होता। अगले दिन इसे संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया था लेकिन इसमें सरकार का बहुमत होने तथा उसके अड़ियलपन के कारण विपक्ष की सिफारिशें अनसुनी कर दी गयीं। कुल 44 संशोधनों की सिफारिश की गयी थी परन्तु समिति ने 14 ही स्वीकृत किये। इसी माह की 3 व 4 को क्रमशः लोकसभा तथा राज्यसभा में इस कानून को पारित कर दिया गया। इसके खिलाफ़ मुस्लिमों के संगठनों ने प्रदर्शन भी किये। उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला अल्पसंख्यकों की आजादी की रक्षा करेगा।

जीवन मंत्र ओशो

सूफी संत की शर्त

सूफी संत ने परमात्मा से कहा, 'मुझे माफ करें। मैं आपसे कुछ भी मांग नहीं सकता, क्योंकि मुझे सचमुच किसी चीज की जरूरत नहीं है। आप उदार हैं, करुणावान हैं; मगर मेरे भीतर अतृप्ति का कोई कोना नहीं बचा।

एक सूफी रहस्यदर्शी हुआ करता था। वह कभी मस्जिद नहीं जाता था। उसने कभी परमात्मा का नाम तक नहीं लिया; लेकिन उसका होना ही प्रेम से, आनंद से, प्रार्थना से भरपूर था। परमात्मा स्वयं उस अजीब रहस्यदर्शी को लेकर उत्सुक हुए और उसके पास जाकर कहा, 'मैं तुमसे बहुत खुश हूं। तुम्हारे जैसे ही लोग होने चाहिए। मैं तुम्हें देखता रहा हूं और तुम्हारे प्रेम में पड़ गया हूं। तुम प्रार्थना बन गए। तुम इस दुनिया में मेरे सबूत हो कि मनुष्य का अस्तित्व बहुत ऊंचा है। हालांकि, तुम कभी तर्क नहीं करते, तुमने कभी मेरा नाम तक नहीं लिया। लोग फालतू के काम करते रहते हैं, मगर तुम जिए, तुमने प्रेम किया और तुम इतने आनंदमग्न हो कि तुम्हें किसी भाषा कि जरूरत नहीं रही; तुम्हारी उपस्थिति ही अस्तित्व का सबूत बन गई। मैं तुम्हें आशीष देना चाहता हूं। तुम कुछ भी मांग सकते हो।'

सूफी संत ने परमात्मा से कहा, 'मुझे माफ करें। मैं आपसे कुछ भी मांग नहीं सकता, क्योंकि मुझे सचमुच किसी चीज की जरूरत नहीं है। आप उदार हैं, करुणावान हैं; मगर मेरे भीतर अतृप्ति का कोई कोना नहीं बचा। इसलिए आपको मुझे माफ करना होगा। मुझे आपसे कुछ नहीं चाहिए।' परमात्मा बोले, 'मुझे पता था कि तुम अपने लिए कुछ भी नहीं मांगोगे, मगर दूसरों के लिए तो मांग सकते हो? इस दुनिया में लाखों लोग हैं, जो दुखी और बीमार हैं। मैं तुम्हें शक्ति दे सकता हूं, ताकि तुम चमत्कार कर सको और लोगों के जीवन को बदल सको।' इस पर संत ने कहा, 'यदि आपका इतना आग्रह है, तो एक शर्त के साथ आपका यह उपहार स्वीकार कर सकता हूं।' परमात्मा ने पूछा, 'कैसी शर्त?' संत ने कहा, 'मुझे पता नहीं चलना चाहिए कि मेरे द्वारा क्या हो रहा है। यदि मुझे पता चले कि मैंने ऐसा कर दिया या परमात्मा ने मुझे उपकरण की तरह चुना है, तो यह खतरनाक है, क्योंकि मैं आनंद से भरा हूं। मुझे फिर से 'मैं' की तरफ मत ले जाइए।' कहते हैं, परमात्मा ने उस सूफी संत से कहा, 'तुम अजीब ही नहीं, अद्वितीय हो। और ऐसा ही होगा। तुम्हें कभी पता नहीं चलेगा कि तुम्हारे आस-पास क्या घट रहा है? जहां कहीं भी तुम जाओगे, वहां चमत्कार होगा। न लाभार्थियों को पता चलेगा कि तुमने चमत्कार किए और न ही तुम्हें मालूम पडे़गा। मैं यह शर्त याद रखूंगा।' संसार में सबसे महान चमत्कार यह है कि तुम नृत्य करो और नृत्य में खो जाओ और तब नृत्य को करने दो, जो भी उससे हो। तुम प्रेम करो और प्रेम में खो जाओ और प्रेम को कर लेने दो, जो वह कर सके। तुम दावा नहीं कर सकते कि यह तुम कर रहे हो, क्योंकि तुम तो पहले ही खो चुके हो।

जीवन ऊर्जा

मार्क ट्वेन : निधन- 21 अप्रैल 1910 देहावसान

मृत्यु का भय जीवन के भय से शुरू होता है

मार्क ट्वेन का जन्म 30 नवंबर 1835, फ्लोरिडा, मिसूरी, संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ था। मार्क ट्वैन जो अपने उपनाम मार्क ट्वेन से जाने जाते थे, एक अमेरिकी लेखक, हास्यकार, उद्यमी, प्रकाशक और व्याख्याता थे। उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा निर्मित सबसे महान हास्य कलाकारर के रूप में सराहा गया था। 21 अप्रैल 1910 रेड्डिंग, कनेक्टिकट, संयुक्त राज्य अमेरिका में उनकी मौत हो गई।

अगर आप सच कहोगे तो आपको कुछ भी याद रखने की जरुरत नहीं पड़ेगी। आगे बढ़ने का सबसे बड़ा राज शुरुआत करना हैं। जीवन में सफल होने के लिए, आपको दो चीजों की आवश्यकता हैः अनभिज्ञता और आत्मविश्वास। साहस डर का प्रतिरोध, डर पर महारथ हासिल करना है। डर की अनुपस्थिति नहीं हैं। मृत्यु का भय जीवन के भय से शुरू होता है।

वही आदमी पूरी तरह से जीता हैं जो हर समय मरने के लिए तैयार हो। पहले अपने तथ्यों को प्राप्त करें, फिर आप उन्हें अपनी ख़ुशी से तोड़ मरोड़ सकते हैं। दयालुता वह भाषा है जिसे बहरे सुन सकते हैं और अंधे देख सकते हैं। धन की कमी सभी बुराई की जड़ है। किसी व्यक्ति के चरित्र को उन विशेषणों से सीखा जा सकता है

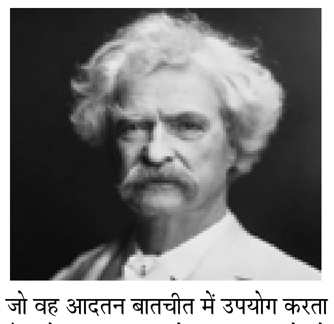

जो वह आदतन बातचीत में उपयोग करता है। बोलकर सारा संदेह खत्म करने से अच्छा हैं कि चुप रह कर बेवकूफ समझा जाये। हर कोई एक चांद है, और उनकी एक साइड ऐसी होती है जो वह कभी किसी को नहीं दिखाता। आपके जीवन में दो सबसे महत्वपूर्ण दिन हैः एक वो दिन जब आप जन्म लेते हैं और दूसरा वो दिन जिस दिन आपको अपने जीने का मक़सद पता चलता हैं। आज का काम कल पर मत छोड़ो, क्या पता वो परसो भी किया जा सकता हो। कभी भी बेवकूफ लोगों के साथ बहस न करें, वे आपको अपने स्तर तक खींच लेंगे और फिर आपको उनके अनुभव से हरा देंगे।

आयु शरीर से अधिक मन की अवस्था है। यदि आप बुरा नहीं मानते हैं, तो कोई फर्क नहीं पड़ता है। जब भी आप अपने आप को बहुमत के पक्ष में पाते हैं, यह समय को रुकने का और चिंतन करने का है। जो आदमी नहीं पढ़ता है, उस आदमी को अनपढ़ आदमी से ज्यादा फायदा नहीं हो सकता हैं। यह कहते हुए नहीं घूमें कि दुनिया आपके लिए जीवित है। दुनिया को आपसे कुछ नहीं चाहिए। यह यहां पहले था। अच्छे दोस्त, अच्छी किताबें और एक गहरी अंतरात्माः यही आदर्श जीवन है।

शख्सियत शकुंतला देवी

मानव-कंप्यूटर के नाम से जानी जाने वाली लेखिका

शकुंतला देवी, जिन्हें आमतौर पर 'मानव-कंप्यूटर' के नाम से जाना जाता है, बचपन से ही एक वैज्ञानिक कैलकुलेटर थीं। उनकी प्रतिभा को देखते हुए 1982 में उनका नाम 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में भी शामिल किया गया। शकुंतला देवी पिछली शताब्दी की किसी भी तारीख का दिन एक पल में बताने की क्षमता रखती थीं।

4 नवंबर 1929 को भारत के बैंगलोर में जन्मी शकुंतला देवी की गणित में विलक्षण प्रतिभा कम उम्र से ही स्पष्ट हो गई थी। एक साधारण परिवार में पली-बढ़ी, उन्होंने संख्याओं के प्रति असाधारण योग्यता प्रदर्शित की और जटिल गणितीय समस्याओं को सहजता से हल किया। देवी की प्रतिभा को पहली बार सार्वजनिक मान्यता तब मिली जब उन्होंने छह साल की उम्र में मैसूर विश्वविद्यालय में अपने पहले प्रमुख सार्वजनिक प्रदर्शन में अपने उल्लेखनीय गणना कौशल का प्रदर्शन किया। जटिल गणितीय समस्याओं को मानसिक रूप से हल करने की उनकी क्षमता ने उन्हें व्यापक प्रशंसा अर्जित की और जल्द ही उन्होंने गणितीय गणनाओं में अपनी अविश्वसनीय प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए दुनिया भर का दौरा करना शुरू कर दिया। उनकी सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक वह थी जब उन्होंने केवल 28 सेकंड में दो 13-अंकीय संख्याओं को सफलतापूर्वक गुणा किया, एक उपलब्धि जिसने उन्हें गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के 1982 संस्करण में जगह दिलाई। उसके करतब केवल गणनाओं तक ही सीमित नहीं थे; उन्होंने गणित, पहेलियाँ और ज्योतिष पर कई किताबें भी लिखीं। अपने गणितीय कौशल से परे, देवी एक बहुमुखी व्यक्तित्व थीं। वह एक कुशल लेखिका थीं, उन्होंने गणित, पहेलियां और उपन्यास सहित विभिन्न विषयों पर किताबें लिखीं। उन्होंने ज्योतिष में भी हाथ आजमाया और न केवल अपनी गणितीय क्षमताओं के लिए बल्कि अपनी असाधारण स्मृति और मानसिक चपलता के लिए भी ₹मानव कंप्यूटर₹ की उपाधि अर्जित की। अपनी वैश्विक प्रसिद्धि और मान्यता के बावजूद, देवी विनम्र और ज़मीन से जुड़ी रहीं, अक्सर रोजमर्रा की जिंदगी में गणित के महत्व पर जोर देती थीं और इसकी व्यापक सराहना की वकालत करती थीं। उनकी विरासत दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित करती रही है, खासकर भारत में, जहां उन्हें बौद्धिक कौशल और गणितीय उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। शकुंतला देवी का जीवन मानवीय क्षमता की शक्ति और मानव मन की असीम क्षमताओं के प्रमाण के रूप में कार्य करता है। 21 अप्रैल 2013 को उनका निधन हो गया।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

मन की भूमिका और नियंत्रण

मन क्या है, मन आत्मा का एक अदभुत स्वरूप है जो हमारे मस्तिष्क में चलायमान अर्थात क्रियाशील है, मन ही शरीर के आंतरिक स्वरूप तथा प्रकृति रूपी बाहरी स्वरूप के बीच की कडी है, जो हमें दोनो रूपों का साक्षात बोध कराता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

मन ही हमें प्रत्येक वस्तु के महत्व को समझाता है, इच्छाएं जागृत करता है, भ्रम पैदा करता है, लालच जाग्रत करता है, प्रायश्चित कराता है, आत्मा-परमात्मा की ओर जाने का मार्ग प्रशस्त करता है और जब आप जाने लगें तो जाने से रोकता भी है। मन आत्मा, परमात्मा, ईश्वर का अंश है जिसे नियंत्रित करना अर्थात मानव जीवन से मुक्ति प्राप्त करना है, कहने का तात्पर्य यह है कि जब आप मन को जीत लोगे तब आत्मा, परमात्मा, ईश्वर के संपर्क में स्वयं आ जाओगे, सीधे सरल शब्दों में कहा जाये तो मन एक प्रवेश द्वार है जिसमें प्रवेश कर आप आत्मा, परमात्मा, ईश्वर के दर्शन कर सकते हैं।

स्वामी विवेकानंद जी अपने छात्र-जीवन में आर्थिक विषमता से जूझ रहे थे। एक दिन उन्होंने अपने गुरू परमहंस रामकृष्ण

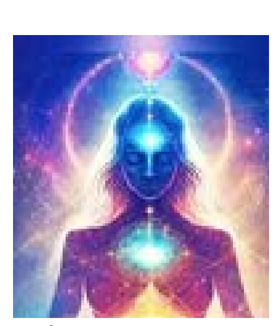

जी से कहा-'यदि आप काली माँ से प्रार्थना करेंगे, तो माता मेरे वर्तमान आर्थिक संकट दूर कर देंगी । 'रामकृष्णजी बोले- 'नरेन, संकट तुम्हारे हैं, इसलिए तुम स्वयं मंदिर में जाकर काली मां से मांगो, वह अवश्य सुनेगी।' यह कहकर नरेन को मंदिर में भेज दिया।

वहां स्वामी जी ने और कुछ न कहकर 'माँ मुझे भक्ति दो' कहा और फिर गुरू जी के निकट लौट आया। उन्होंने पूछा- 'क्या मांगा ? माँ मुझे भक्ति दो' नरेन ने कहा। "अरे, इससे तेरे संकट दूर नहीं होंगे, तू फिर से अंदर जा और मां से स्पष्ट मांगः वह गये और उसने पूर्ववत् जैसा किया। जब तीसरी बार जाने पर भी उसने काली माँ से केवल यही कहा - 'माँ मुझे भक्ति दो,' तब परमहंस जी हंसे और कहने लगे- 'नरेन। मुझे मालूम था, तू भौतिक सुख नहीं मांगेगा, क्योंकि आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने की पूर्ण जिज्ञासा तेरे ह्रदय में उत्पन्न हो चुकी है और इसीलिए मैंने तुम्हें तीनों बार भक्ति मांगने के लिए ही अंदर भेजा था। तेरे वर्तमान आर्थिक संकट का सामाधान तो मैं स्वयं ही कर सकता था।' तात्पर्य : एक विशुद्ध गुरू अथवा भक्त के सान्निध्य में रहने से मन का शुद्धिकरण करना सरल व सहज हो जाता है। हेनरी फोर्ड के प्रपौत्र एल्फ्रेड फोर्ड ने स्वामी प्रभुपाद की शिष्यता ग्रहण कर और उनके साथ भारत में कुछ महीने रहकर अपने मन की शुद्धि की थी, अर्थात् अध्यात्म का बीजारोपण किया था।

बाद में स्वामीजी ने अपने शिष्य अम्बरी दास (हेनरी फोर्ड-3) को वापिस अमरीका भेज दिया था। यही एक उत्तम उपाय है एक सच्चे गुरू के निकट उसके शिष्य का अन्तर्मन सदा बना रहता है और वे उसकी आत्म-उन्नति का मार्ग-दर्शन स्वयं करते रहते हैं।

आवश्यकता इस बात की कि हम मन की शुद्धि के लिए पहले जिज्ञासु बने और फिर संत की पहचान के विवेकी बने। मन को शुद्ध करने के लिए, मन को भगवान में लगाना होगा, क्योंकि भगवान परम शुद्ध हैं उनमें मन को लगाने से, मन शुद्ध होता जायेगा। संसारी कामनाओं से मन को हटाकर भगवान में लगाने से ही मन की शुद्धि होगी।

सक्सेस मंत्र

इंसान अपनी कीमत खुद बनाता है

एक बार एक अध्यापक ने अपनी क्लास के बच्चों को किताबी ज्ञान से हटकर जीवन से जुड़ा एक अहम पाठ पढ़ाने की सोची। उन्होंने अपनी जेब से 100 रुपये का एक नोट निकालकर क्लास के बच्चों को दिखाते हुए पूछा, 'क्या आप लोग बता सकते हैं कि यह कितने रुपये का नोट है' ? सभी बच्चों ने कहा – '100 रुपये का' टीचर – इस नोट को कौन कौन लेना चाहेगा ? टीचर का सवाल सुनकर सभी बच्चों ने अपना हाथ खड़ा कर दिया। अब उस टीचर ने उस नोट को अपनी मुट्ठी में बंद करके बुरी तरह मसल दिया। जिसकी वजह से वह नोट बुरी तरह खराब हो गया। टीचर ने एक बार फिर बच्चों को नोट दिखाकर सवाल किया, क्या अब इस नोट को ऐसे देखकर कोई बच्चा इसे लेना चाहेगा? ' टीचर का सवाल सुनकर सभी बच्चों ने एक बार फिर अपने हाथ उठा दिएं। टीचर ने अब उस नोट को जमीन पर फेंककर उसे अपने जूते से बुरी तरह कुचल दिया। नोट को जूते से कुचलने के बाद टीचर ने नोट उठाकर फिर से बच्चों से सवाल करके पूछा कि अब इसे कौन लेना चाहेगा ? सभी बच्चों ने फिर से हाथ उठा दिया। बच्चों का जवाब देखकर टीचर ने बच्चों से मुस्कुराते हुए कहा, बच्चों आज मैंने तुम्हें खेल-खेल में जीवन से जुड़ा एक बहुत अहम पाठ पढ़ाया है। टीचर ने कहा, ये 100 रुपये का नोट था, लेकिन जब मैंने इसे हाथ से कुचला तो ये नोट कुचल गया लेकिन इसकी कीमत 100 रुपये ही रही, इसके बाद जब मैंने इसे जूते से मसला तो ये नोट गंदा जरूर हो गया लेकिन फिर भी इसकी कीमत 100 रुपये ही रही। ठीक वैसे ही एक अच्छा इंसान अपनी काबिलियत और स्वभाव हर परिस्थिति में एक जैसा ही बनाए रखता है। जीवन में उसे चाहे कितनी भी मुश्किलें और विफलता झेलनी पड़ जाए लेकिन उसकी कीमत ज्यों की त्यों बनी रहती है। अच्छा व्यक्ति आज भी बेहतर होगा और कल भी बेहतर रहेगा।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार)।

अध्यात्म

आंतरिक पवित्रता की ओर एक यात्रा

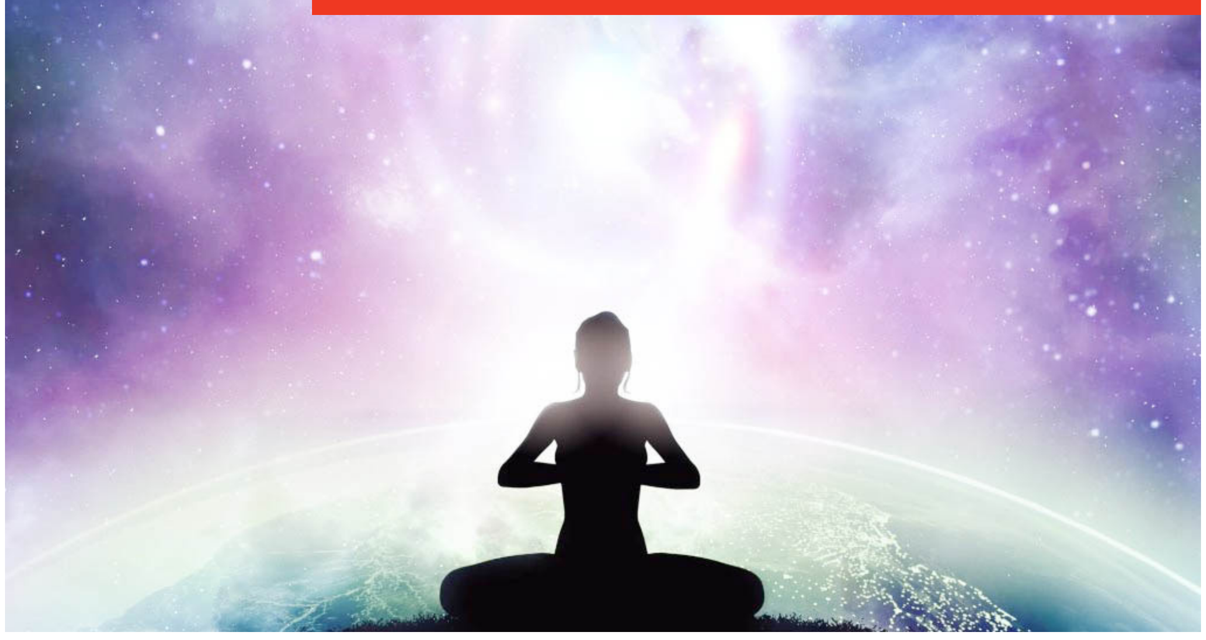

आंतरिक पवित्रता देता है अध्यात्म

यह एक साधारण-सी दिखने वाली पंक्ति, जीवन का गहरा रहस्य अपने भीतर समेटे हुए है। अध्यात्म का अर्थ केवल मंदिरों में जाना, पूजा-पाठ करना या किसी विशेष रीति का पालन करना नहीं है। यह तो एक ऐसी यात्रा है, जो बाहर से भीतर की ओर जाती है — आत्मा की शुद्धता, मन की शांति और अंतर्मन की निर्मलता की खोज।

बाहरी आडंबर नहीं, भीतर की सच्चाई

आज की तेज़ रफ्तार दुनिया में हम अक्सर दिखावे में उलझ जाते हैं — कौन क्या पहन रहा है, किसके पास क्या है, कौन कितना सफल है। लेकिन अध्यात्म हमें सिखाता है कि असली सुंदरता और सफलता उस शांति में है जो भीतर से आती है। जब मन शांत होता है, विचार स्पष्ट होते हैं और आत्मा संतुष्ट होती है — तब ही जीवन में सच्चा आनंद होता है।

अध्यात्म का अर्थ — आत्मा से जुड़ना

अध्यात्म का अर्थ है आत्मा से जुड़ना। जब हम ध्यान करते हैं, भक्ति करते हैं या किसी उच्च सोच से जुड़ते हैं, तो हम अपने अंदर की उस रोशनी को महसूस करते हैं जो हमें सही राह दिखाती है। यह रोशनी कोई और नहीं, हमारा अंतरात्मा होती है — जो तभी स्पष्ट दिखाई देती है जब हमारा मन और हृदय दोनों शुद्ध हों।

अंतर की सफाई, बाहर की सुंदरता से श्रेष्ठ है

बाहर कितना भी सजा लें खुद को, अगर भीतर गुस्सा, ईर्ष्या, लोभ या दुख है, तो वह जीवन को खा जाता है। अध्यात्म हमें अंदर की सफाई करना सिखाता है। जब हम अपने दोषों को पहचानकर उन्हें सुधारने लगते हैं, तो धीरे-धीरे भीतर एक सुकून पनपता है, जो किसी भी भौतिक वस्तु से कहीं अधिक मूल्यवान होता है।

अंतिम विचार

अध्यात्म कोई धर्म या पंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक दिशा है — ऐसी दिशा जो हमें सत्यम, शिवम और सुंदरम की ओर ले जाती है। जब हम आत्मा को प्राथमिकता देते हैं और मन को साधते हैं, तब ही भीतर की पवित्रता प्रकट होती है। और यही आंतरिक पवित्रता, अध्यात्म की सबसे अनमोल देन है।

चुस्ती–फुर्ती के ये टिप्स बनाएंगे आपको दिनभर एनर्जेटिक

थकान, सुस्ती और आलस आज के समय में ये तीनों ही शब्द हमारे रोज़मर्रा के जीवन का हिस्सा बनते जा रहे हैं। लेकिन जब शरीर में ऊर्जा हो, मन ताजगी से भरा हो और दिन भर फुर्ती बनी रहे, तो हर काम आसान लगने लगता है। अगर आप भी चाहते हैं चुस्ती, फुर्ती और तंदुरुस्ती, तो अपनाएं ये आसान लेकिन असरदार टिप्सः

1. दिन की शुरुआत हेल्दी डाइट से करें

सुबह-सुबह ऑयली या भारी खाना खाने से सुस्ती हावी हो जाती है। इसकी बजाय फ्रूट्स, अंकुरित अनाज, ओट्स या हल्का नाश्ता लें जो शरीर को एनर्जी दे और पेट को हल्का रखे।

2. रोज़ाना हल्की-फुल्की एक्सरसाइज़ या योग करें

हर दिन 20-30 मिनट की वॉक, स्ट्रेचिंग या योगा आपकी मांसपेशियों में जान भर देता है। इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और शरीर दिनभर एक्टिव बना रहता है।

3. भरपूर पानी पिएं

कम पानी पीने से शरीर में डिहाइड्रेशन होता है, जिससे थकावट और सुस्ती महसूस होती है। हर दो घंटे में एक ग्लास पानी पीने की आदत डालें।

4. सुबह की धूप लें

सूरज की हल्की किरणों से विटामिन D मिलता है जो हड्डियों को मज़बूत करने के साथ-साथ मूड को भी अच्छा करता है। दिन की शुरुआत प्राकृतिक रोशनी में करें।

5. दिनचर्या बनाएं और उसका पालन करें

असंतुलित रूटीन से शरीर की बायोलॉजिकल क्लॉक बिगड़ जाती है। रोज़ एक तय समय पर सोना, जागना, खाना और काम करना शरीर को चुस्त और दिमाग को शांत रखता है।

6. नींद पूरी लें, न ज़्यादा न कम

सुस्ती का सबसे बड़ा कारण अधूरी या अत्यधिक नींद हो सकता है। रोज़ाना 7–8 घंटे की अच्छी नींद शरीर को रिलैक्स करने और ऊर्जा देने के लिए ज़रूरी है।

7. स्क्रीन टाइम सीमित करें

लंबे समय तक मोबाइल, लैपटॉप या टीवी देखने से आंखों और दिमाग पर असर पड़ता है। हर 30 मिनट बाद थोड़ी देर आंखें बंद करें या दूर देखें — ये छोटी आदतें भी बहुत असर करती हैं।

8. कुछ समय खुद के लिए निकालें

तनाव और मानसिक थकावट भी शरीर को सुस्त बना देती है। हर दिन कुछ समय मेडिटेशन, संगीत, किताब या अपने पसंदीदा शौक को दें — इससे मन शांत और शरीर ऊर्जावान रहता है।

निष्कर्ष

सुस्ती कोई बीमारी नहीं, लेकिन अगर इसे नजरअंदाज़ किया जाए तो यह धीरे-धीरे आपके शरीर और मन को प्रभावित कर सकती है। ऊपर बताए गए छोटे-छोटे बदलाव आपको न सिर्फ सुस्ती से छुटकारा दिलाएंगे, बल्कि दिनभर रखेंगे चुस्त, फुर्तील और तंदुरुस्त!

हड्डियों को बनाना है मजबूत, तो तुरंत बंद करें इनका सेवन

आजकल लोगों की डाइट में बहुत सी ऐसी चीजें शामिल है, जो धीरे-धीरे कर उनकी हड्डियों को कमजोर कर रही हैं। दिनचर्या में कुछ चीजों का सेवन बंद कर देना चाहिए। चलिए आपको इन चीजों के बारे में बताते हैं।

कैफीन : कुद लोग दिन की शुरुआत चाय या कॉफी से करते हैं। कैफीन के अपने स्वास्थ्य लाभ होते हैं, लेकिन अगर आप जरूरत से ज्यादा इसका सेवन करते हैं तो ये आपकी हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। कैफीन का ज्यादा सेवन करने से हड्डियां कमजोर हो जाती है।

चीनी : शरीर को एक्टिव रखने के लिए चीनी का सेवन करना बेहद जरूरी है, लेकिन जरूरत से ज्यादा चीनी का सेवन करना हड्डियों को कमजोर कर देता है। इसलिए चीनी का सीमित मात्रा में सेवन करने की कोशिश करें। चीनी या चीनी से भरपूर चीजों का सेवन करने से हड्डियों के साथ-साथ दाँतों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है।

नमक : नमक से भरपूर चीजें हड्डियों के लिए अच्छी नहीं होती है। नमक शरीर में कैल्शियम की मात्रा को कम कर देता है, जिसकी वजह से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। अगर आप बुढ़ापे में हड्डियों से जुड़ी समस्याओं से बचना चाहते हैं तो ज्यादा नमक वाली चीजों का सेवन करना तुरंत बंद कर दें।

बेहतर नींद पाने के लिए डाइट में करें ये बदलाव

अच्छे स्वास्थ्य के लिए अच्छी नींद लेना काफी जरूरी होता है। लेकिन आजकल लोग अच्छी और गहरी नींद नहीं ले पा रहे हैं। न सिर्फ बुजुर्ग बल्कि युवा भी इस समस्या से परेशान रहते हैं। ऐसे में अच्छी नींद न आने के पीछे लंबे समय तक मोबाइल फोन का इस्तेमाल, ऑफिस में कामकाज का दबाव होना या खराब लाइफस्टाइल का होना पाया जाता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो सही नींद लेने से व्यक्ति का इम्यून सिस्टम स्ट्रांग होता है और व्यक्ति ऊर्जा से भरा रहता है। अगर आप भी स्ट्रांग और ऊर्जावान रहना चाहते हैं तो अच्छी नींद जरूर लेनी चाहिए। इसके लिए आपको अपने खानपान में बदलाव करने की जरूरत होती है।

कैफीन का न करें इस्तेमाल : अक्सर लोग अपनी वर्क एबिलिटी को बढ़ाने के लिए कई बार चाय का सेवन करते हैं। बता दें कि चाय का अधिक सेवन करने से व्यक्ति की नींद में बाधा आती है और लंबे समय तक नींद नहीं आती है। ऐसे में अगर आप भी सोने से पहले कैफीन का सेवन करते हैं, तो इससे आपकी नींद प्रभावित हो सकती है। वहीं लंबे समय तक सही और अच्छी नींद न लेने के कारण आपको स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है।

मसालेदार आहार का न करें सेवन : बता दें कि सोने से पहले अधिक मसालेदार आहार खाने से परहेज करना चाहिए। क्योंकि अधिक तला-भुना व मसालेदार खाने से कई बार सीने में जलन की समस्या होने लगती है। जिसके कारण अच्छी नींद नहीं आती है। मसालेदार भोजन खाने से हार्टबर्न की समस्या हो सकती है। यदि आप खाना खाकर फौरन बिस्तर पर चले जाते हैं, तो आपको इस आदत को भी बदलना चाहिए। क्योंकि खाना खाने के बाद फौरन लेटने से एसिड रिफ्लक्स की समस्या हो सकती है। वहीं स्लीप एपनिया की समस्या होने पर लक्षण अधिक बिगड़ सकते हैं।

हाई फैट-हाई प्रोटीन फूड : सोने से पहले चिकन जैसे हाई-प्रोटीन फूड आइटम्स का सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि हमारा पाचन तंत्र नींद के दौरान 50 फीसदी तक काम करना बंद कर देता है। ऐसे में अगर आप हाई-प्रोटीन या हाई-फैट का सेवन करते हैं तो इसको पचने में काफी समय लग सकता है। वहीं शरीर को इसे डाइजेस्ट करने में भी एक्सट्रा मेहनत करनी पड़ती है। इससे आपकी नींद पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

न करें ओवर ईटिंग : आजकल की खराब लाइफस्टाइल के कारण अधिकतर लोग देर रात तक जगते रहते हैं। इस दौरान वह ऑफिस या अन्य कामों को पूरा करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप जितना देर रात तक जगते रहेंगे, उतना ही अंजाने में ओवर ईटिंग करते रहेंगे। जागते रहने से भूख अधिक लगती है और रात के दौरान लोग जंक फूड खाना अधिक पसंद करते हैं। इससे भी आपकी नींद प्रभाविक होती है और आपका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहता है।

अच्छी नींद के लिए करें ये काम : अच्छी नींद लेने के लिए सोने से पहले कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट का सेवन करना चाहिए। बता दें कि व्होल ग्रेन से बना टोस्ट या दलिया आदि का सेवन करना फायदेमंद होता है। यह नींद लाने वाले हार्मोन सेरोटोनिन को रिलीज करने के साथ ही इसको पचाने में भी अधिक समय नहीं लगाते हैं। इससे आपको अच्छी व गहरी नींद भी आती है।

रिश्ता टूटा, हौसला नहीं, ऐसे करें नई शुरुआत

तलाक एक शब्द, जो भावनाओं के तूफान, टूटे रिश्तों और अधूरे सपनों की याद दिलाता है। लेकिन ये अंत नहीं है — यह एक नई शुरुआत का द्वार भी हो सकता है। भले ही यह सफर आसान न हो, लेकिन यह ज़रूर मुमकिन है। अगर आप भी इस मोड़ से गुजर चुके हैं, तो खुद को फिर से समेटने और संवारने के लिए ये सुझाव मदद कर सकते हैं।

1. अपने दर्द को महसूस करें, लेकिन उसमें डूबे नहीं

तलाक के बाद दुखी होना स्वाभाविक है। रोना, टूटना, अकेलापन महसूस करना — ये सब इंसानी भावनाएं हैं। पर जरूरी है कि आप इस दर्द को खुद से बाहर निकालें, बात करें, लिखें या किसी भरोसेमंद दोस्त से साझा करें। लेकिन इस दुःख में रुकना नहीं है, बल्कि उससे आगे बढ़ना है।

2. खुद को समय दें — हीलिंग एक प्रक्रिया है

भावनात्मक ज़ख्म भी शारीरिक चोट की तरह ही होते हैं। उन्हें भरने में वक्त लगता है। खुद को जबरन नॉर्मल दिखाने की कोशिश न करें। अकेले रहना, सोचने का समय लेना और खुद को समझना इस प्रक्रिया का हिस्सा है।

3. खुद की पहचान दोबारा खोजें

शादी के दौरान अक्सर हम खुद को भूल जाते हैं। अब यह वक्त है फिर से उस 'आप' को जानने का — आपके शौक, सपने, पसंद–नापसंद। नई क्लास जॉइन करें, घूमने जाएं, नई किताबें पढ़ें या नई चीजें सीखें — यह खुद से जुड़ने का समय है।

4. अपनों से जुड़ें — अकेलेपन को ना कहें

तलाक के बाद सबसे ज्यादा जो चीज असर करती है, वो है अकेलापन। लेकिन याद रखिए, आप अकेले नहीं हैं। परिवार, दोस्त और कभी–कभी प्रोफेशनल काउंसलिंग भी आपका सहारा बन सकती है।

5. प्रोफेशनल या फाइनेंशियल तौर पर मजबूत बनें

एक नया जीवन तभी सशक्त होगा जब आप आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होंगे। अपनी स्किल्स पर काम करें, करियर में वापसी करें या नया काम शुरू करें। आत्मनिर्भरता आत्मविश्वास देती है।

6. नई उम्मीदों को मौका दें

हर अंत एक नई शुरुआत का संकेत होता है। हो सकता है अभी भरोसा न हो, लेकिन वक्त के साथ दिल दोबारा मुस्कुराना सीखेगा। नए रिश्तों की जल्दी न करें, लेकिन खुले मन से ज़िंदगी को फिर से महसूस करना सीखें।

निष्कर्ष

तलाक एक कठिन अध्याय हो सकता है, लेकिन किताब वहीं खत्म नहीं होती। यह एक मौका है खुद से जुड़ने, खुद को समझने और एक नई, बेहतर ज़िंदगी शुरू करने का।

याद रखिए — आप टूटी नहीं हैं, आप फिर से बन रही हैं। और इस बार पहले से ज़्यादा मजबूत।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष — आज रुका धन मिलेगा। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है।

वृष — स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक-ठीक चलेगा।

मिथुन — पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कर्क — घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। दुःखद समाचार मिलने से नकारात्मकता बढ़ेगी। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी।

सिंह — प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अपना प्रभाव बढ़ा पाएंगे

कन्या — दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर स्थिति मनोनुकूल रहेगी।

तुला — तुला उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक — अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। थकान महसूस होगी।

धनु — अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। धनार्जन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर

मकर — नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

कुंभ — रुका धन मिलेगा। पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

मीन — क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। छोटी सी गलती से समस्या बढ़ सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

ज्योतिषीय संकेत जो दिला सकते हैं जेल की सजा

ज्योतिष के अनुसार मुख्य रूप से शनि, मंगल एवं राहु ये तीन ग्रह कारागार के योग निर्मित करने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इसके अतिरिक्त सभी लग्नों में द्वादशेश, षष्ठेश एवं अष्टमेश भी इस तरह के योग बनाने में अपनी भूमिका निभाते हैं। तो कई बार गोचर एवं दशा-अन्तर्दशा के फलस्वरूप अल्प समय के लिए ऐसे योग बन जाते हैं।

दारिद्रय रोग दुःखानि बंधन व्यसनानि च।

आत्मापराध वृक्षस्य फलान्येतानि देहिनाम्।

यह योग यदि शुभ ग्रहों से निर्मित हो रहा हो, तो इसका अर्थ है कि जातक ने कोई अपराध नहीं किया है अथवा बहुत छोटे से अपराध के लिए उसे सजा भोगनी पड़ी, लेकिन यदि यह योग पाप ग्रहों से निर्मित हो रहा हो, तो इसका अर्थ है उस व्यक्ति ने क्रोध, लालच, ईर्ष्या या द्वेष की भावना के वशीभूत होकर निश्चिहत रूप से अपराध किया है।

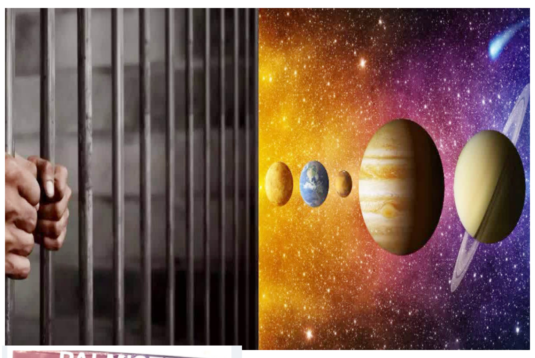

प्रियंका जैन
9769994439

ज्योतिष के अनुसार यदि किसी जातक का जन्म सर्प द्रेष्काण, निगड़ द्रेष्काण या आयुध द्रेष्काण में हो, तो कारावास एवं दण्ड के योग बनते हैं। सर्प द्रेष्काण में केवल कारावास या नजरबन्दी होती है। आयुध द्रेष्काण में कारावास नहीं होता है, लेकिन प्रताड़ना होती है, जबकि निगड़ द्रेष्काण में कारावास और सजा दोनों प्राप्त होते हैं।

द्वादश भाव जैसा कि हम पूर्व में बता चुके हैं सजा, बन्धन, दबाव इत्यादि से विशेष सम्बन्ध रखता है, में पापग्रहों की स्थिति बहुत परेशानीदायक होती है। यदि द्वादश भाव के साथ-साथ द्वितीय भाव में भी उतने ही ग्रह स्थित हो जाए, तो स्पष्ट रूप से बन्धन योग बनेगा, लेकिन यदि शनि, राहु या सूर्य इसमें स्थित हों, तो यह आवश्यक नहीं है कि जातक को जेल जाना पड़े, लेकिन ऐसा जातक सदैव किसी न किसी के दबाव में या वश में रहता है। यह दबाव पिता का, माता का, पत्नी का, मित्र का या किसी प्रभावशाली व्यक्ति का भी हो सकता है। ऐसा व्यक्ति कोई भी महत्त्वपूर्ण निर्णय स्वयं नहीं ले सकता है, अन्य किसी व्यक्ति का हस्तक्षेप उसमें अवश्य होता है। इस कारण वह जातक बहुत मानसिक क्लेश और पीड़ा का अनुभव करता है।

कुछ समय का जेल योग

जन्मपत्रिका में नहीं होने पर भी दशा-अन्तर्दशा और गोचर के ग्रहों की अशुभ स्थिति के फलस्वरूप जेलयात्रा हो जाती है यथा; शनि या मंगल की महादशा में द्वादशभावस्थ राहु की अन्तर्दशा आ जाए, गोचरानुसार जन्मकालीन सूर्य पर से शनि या राहु का गोचर हो और द्वादश एवं लग्न भाव भी पाप ग्रह के प्रभाव में हो, तो इसके फलस्वरूप भी बन्धन में पड़ने या कुछ समय के लिए जेल जाने के योग बन सकते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

मध्य प्रदेश में लू का कहर जारी, तापमान 44 डिग्री तक पहुंचा, 5 जिलों में लू चलेगी

भोपाल। मध्य प्रदेश में गर्मी का कहर जारी है और लोग इससे बेहाल हो गए हैं। रविवार को दमोह, सागर, सीधी, शिवपुरी, गुना और रतलाम सहित 5 जिलों में हीट वेव (लू) का अलर्ट जारी किया गया है। इससे पहले शनिवार को भी कई जिले लू की चपेट में रहे थे। रविवार को प्रदेश में शिवपुरी सबसे गर्म शहर रहा, जहां तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के 26 अन्य जिलों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम विभाग ने बताया कि सागर-नर्मदापुरम में 42.8 डिग्री, मंडला-खजुराहो में 42.6 डिग्री, नौगांव में 42.5 डिग्री, दमोह में 42.4 डिग्री, उमरिया में 42.3 डिग्री, टीकमगढ़ में 42 डिग्री, रायसेन में 41.8 डिग्री, खरगोन में 41.6 डिग्री, खंडवा में 41.5 डिग्री, रतलाम में 41.4 डिग्री, शाजापुर में 41.3 डिग्री, धार-मलाजखंड में 41.1 डिग्री, सिवनी में 40.6 डिग्री, बैतूल में 40.5 डिग्री, सतना में 40.3 डिग्री, छिंदवाड़ा में 40.2 डिग्री और नरसिंहपुर में 40 डिग्री दर्ज किया गया। राज्य के प्रमुख शहरों में भी गर्मी का असर देखा गया। भोपाल में 41.4 डिग्री, इंदौर में 40.2 डिग्री, ग्वालियर में 40.4 डिग्री, उज्जैन में 40.5 डिग्री और जबलपुर में 41.7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, 21 अप्रैल को भोपाल, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर में दिन का तापमान 42 डिग्री के पार जा सकता है। 22 अप्रैल को दिन में तेज गर्म हवाएं चलेंगी, जो राजस्थान से जुड़े जिलों में और असर दिखा सकती हैं। वहीं, 23 अप्रैल तक तेज गर्मी का असर बरकरार रहेगा, और दिन तथा रात के तापमान में भी बढ़ोतरी होने की संभावना है।

झारखंड में बढ़ी गर्मी, बिजली संकट से भी जूझ रहे लोग

रांची। रविवार को झारखंड की राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में प्रचंड गर्मी का सामना करना पड़ा। बढ़ते तापमान के कारण लोग ठंडे पेय पदार्थों का सेवन करते और पेड़ों की छांव में राहत ढूंढते नजर आए। दोपहर के समय तपिश और भी बढ़ गई, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ। मौसम विभाग ने 22 अप्रैल तक झारखंड के उत्तर-पश्चिमी जिलों पलामू, गढ़वा, लातेहार और चतरा सहित अन्य इलाकों में गर्जन, वज्रपात और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं की संभावना जताई है। इसके मद्देनजर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है और नागरिकों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। झारखंड की राजधानी रांची और धुर्वा सहित अन्य इलाकों में रविवार सुबह से ही बिजली संकट बना रहा। बिजली की आंखमिचौली के कारण लोग कई घंटे अंधेरे में रहने को मजबूर हुए, जिससे गर्मी और परेशानी दोनों बढ़ गईं। बिजली की आपूर्ति बहाल करने के लिए लोग बिजली विभाग से संपर्क करते रहे। हालांकि, दोपहर के बाद बिजली आपूर्ति सामान्य हो गई। रांची में अधिकतम तापमान 33.7 डिग्री सेल्सियस, जमशेदपुर में 35.8 डिग्री, डालटेनगंज में 38.4 डिग्री और बोकारो में 35.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में बढ़ोतरी के साथ ही लोगों को दिनभर गर्मी का सामना करना पड़ा।

निशिकांत दुबे के बयान पर गरमाए सियासी तेवर

अखिलेश बोले– 400 सीटें जीत जाती बीजेपी, तो सड़कों पर घूमतीं तलवारें और राइफलें

एजेंसी | प्रयागराज

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के सुप्रीम कोर्ट पर दिए बयान को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। प्रयागराज में रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए उन्होंने कहा, 'अगर बीजेपी के 400 सांसद जीत गए होते, तो सड़कों पर तलवारें और राइफलें घूम रही होतीं। बम तो यहां चलने का वैसे भी प्रचलन है।' अखिलेश ने आरोप लगाया कि बीजेपी का काम ही धार्मिक उन्माद और जातीय संघर्ष को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा, 'बीजेपी समय-समय पर डिवाइड एंड रूल की नीति अपनाती है। कभी धर्म के नाम पर, कभी जाति के नाम पर समाज को बांटने का काम करती है। यह इनका राजनीतिक एजेंडा है।'उन्होंने कहा कि जो 400 पार का दावा कर रहे थे, उनकी सोच को देश देख चुका है। 'अगर ऐसा हुआ होता तो नंगी तलवारें लहराई जा रही होतीं,' उन्होंने तीखे लहजे में कहा।

वक्फ और मुर्शिदाबाद पर भी बोले सपा प्रमुख

अखिलेश ने कहा वक्फ बोर्ड पर बीजेपी के बिल को लेकर अखिलेश ने आरोप लगाया कि यह जमीनें छीनने की साजिश है। 'बीजेपी सिर्फ छीनना जानती है। ये भू-माफिया पार्टी बन चुकी है।' मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर उन्होंने दावा किया कि 'हर दंगे के पीछे कोई न कोई बीजेपी का हाथ होता है। कन्नौज में भी मंदिर में मांस फिंकवाने की साजिश बीजेपी ने ही करवाई थी। हमारी सरकार में जांच हुई थी और 17 बीजेपी कार्यकर्ता जेल गए थे।'

धार्मिक मामलों पर भी रखी राय' इतिहास को इतिहास रहने दें'

धर्म और इतिहास के विवादों पर बोलते हुए अखिलेश ने कहा, 'धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए। इतिहास की बातों को वहीं रहने देना चाहिए। किसी को नीचा दिखाने की कोशिश नहीं होनी चाहिए।'

केशव मौर्य को भी दिया जवाब

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के 'कुर्सी विरासत में मिल सकती है, बुद्धि नहीं' वाले बयान पर पलटवार करते हुए अखिलेश ने कहा, 'बीजेपी को स्वामी विवेकानंद से सीख लेनी चाहिए। केवल कपड़े पहन लेने से कोई योगी नहीं बन जाता।'

मायावती पर भी साधा निशाना

बसपा प्रमुख मायावती के इस बयान पर कि सपा कभी दलितों की हितैषी नहीं रही, अखिलेश ने जवाब दिया कि उन्होंने PDA (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) का मंच सभी वर्गों के लिए खड़ा किया है। उन्होंने कहा, 'उत्तर प्रदेश में दलितों को जिंदा जला दिया गया, किसी को थूक चटवाया गया। महिलाओं और दलितों के उत्पीड़न में यूपी सबसे आगे है।'

मायावती का सपा पर तीखा हमला

कहा– दलितों की हितैषी नहीं हो सकती समाजवादी पार्टी

एजेंसी | लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमला करते हुए उसे दलितों की सच्ची हितैषी मानने से इनकार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा भी कांग्रेस और भाजपा की तरह ही नीयत और नीति में खोट रखती है, और वोटों के स्वार्थ के लिए लगातार दलितों-बहुजनों को छलती रही है। मायावती ने दो टूक कहा कि बसपा ही एकमात्र पार्टी है जो बहुजन समाज को शासक वर्ग बनाने के लिए लगातार संघर्ष कर रही है।

सपा पर जातिवादी मानसिकता का आरोप

मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि सपा में भी गरीबी, जातीय शोषण और अत्याचार को खत्म करने की न तो इच्छाशक्ति है और न ही सोच। उन्होंने कहा कि सपा ने कभी दलितों को उनके संवैधानिक अधिकार दिलाने की दिशा में ठोस प्रयास नहीं किए, जिससे वे आज भी मुख्यधारा से दूर हैं। बसपा प्रमुख ने सपा पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने याद दिलाया कि 2 जून को सपा नेतृत्व द्वारा उन पर जानलेवा हमला हुआ था।

लोको पायलट का सनसनीखेज आरोपः तुम्हें भी काटकर नीले ड्रम में भर दूंगी

पत्नी और साले पर रची गई हत्या की साजिश का आरोप, पुलिस में शिकायत दर्ज

एजेंसी | वाराणसी

रेलवे में वरिष्ठ सहायक लोको पायलट के पद पर कार्यरत सुमित कुमार ने अपनी पत्नी और साले पर सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। सुमित का दावा है कि दोनों उसे जान से मारने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी पत्नी ने उन्हें मेरठ हत्याकांड जैसा अंजाम देने की धमकी दी है। सुमित के अनुसार, पत्नी ने कहा—"तुम्हें भी काटकर नीले ड्रम में भर दूंगी।"

पुलिस कर रही मामले की जांच

एसएचओ के अनुसार, शिकायत की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान जब पत्नी से इस बारे में सवाल किया गया, तो उसने कथित तौर पर कहा कि वे सुमित के साथ मेरठ जैसा ही सुलूक करेंगे। पुलिस ने मारपीट और धमकी के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

नौकरी के चलते जान की दुश्मन बनी पत्नी – मारपीट का भी आरोप

शिकायत में सुमित ने यह भी बताया कि उसकी पत्नी उसकी नौकरी को लेकर रंजिश रखती है और इसी कारण उसे खत्म करना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी और साले ने मिलकर उनके साथ मारपीट भी की। सुमित ने मेरठ में हुई एक दिल दहला देने वाली घटना का हवाला दिया, जिसमें एक महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर शव को नीले ड्रम में रख दिया था।

गया (बिहार) के मूल निवासी हैं सुमित कुमार

सुमित कुमार मूल रूप से बिहार के गया जिले के रहने वाले हैं और वर्तमान में वाराणसी के चित्तूपुर इलाके में पत्नी के साथ किराए के मकान में रह रहे हैं। उन्होंने शनिवार को दर्ज कराई शिकायत में कहा कि उन्होंने अपनी पत्नी और उसके भाई को हत्या की साजिश पर चर्चा करते सुना था।

गन्ना और चीनी उद्योग बनेगा यूपी की अर्थव्यवस्था का इंजन

वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लक्ष्य में निभाएगा बड़ी भूमिका

एजेंसी | लखनऊ

उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में गन्ना और चीनी उद्योग निर्णायक भूमिका निभाएगा। राज्य सरकार ने वर्ष 2027-28 तक इस क्षेत्र के ग्रॉस वैल्यू आउटपुट (जीवीओ) को मौजूदा 1.32 लाख करोड़ रुपए से बढ़ाकर 1.62 लाख करोड़ रुपए से अधिक करने का लक्ष्य तय किया है। चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस क्षेत्र में लगातार विकास हो रहा है। वर्ष 2023-24 में जीवीओ 1.24 लाख करोड़ रुपए था, जो 2024-25 में बढ़कर 1.32 लाख करोड़ रुपए हो गया है। 2027-28 तक इसमें और तेजी लाने का प्रयास जारी है। इस दौरान गन्ना उत्पादन में सालाना 7% और गुड़ उत्पादन में 10% की वृद्धि का लक्ष्य भी रखा गया है।

रिकवरी दर बढ़ाने और चीनी बिक्री में तेजी लाने की तैयारी

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग ने वर्ष 2025-26 के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत चीनी मिलों की रिकवरी दर को 9.56% से बढ़ाकर 10.50% तक पहुंचाने की योजना है। साथ ही, 91.54 लाख क्विंटल भंडारित चीनी की समयबद्ध बिक्री सुनिश्चित की जाएगी ताकि घाटे को कम किया जा सके। भंडारण क्षमता में 4 लाख क्विंटल की वृद्धि और 15 मई 2025 तक कुशल कर्मचारियों की आउटसोर्सिंग के माध्यम से भर्ती का भी प्रस्ताव है।

किसानों को सीधा लाभ, गन्ना क्षेत्र में रिकॉर्ड वृद्धि

योगी सरकार ने गन्ना किसानों को भी सीधे लाभ पहुंचाने पर जोर दिया है। 65 लाख पंजीकृत किसानों में से 46.5 लाख गन्ना आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान करते हुए मार्च 2025 तक 2.80 लाख करोड़ रुपए से अधिक का गन्ना मूल्य भुगतान किया गया है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। वर्ष 2016-17 की तुलना में गन्ना क्षेत्रफल में 43%, उत्पादकता में 16% और कुल उत्पादन में 68% की वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य में 52 चीनी मिलों का आधुनिकीकरण किया गया है और एथनॉल उत्पादन को भी बढ़ावा मिला है।

सरकारी नौकरी लगते ही पत्नी ने बदला बर्ताव, इंजीनियर पति ने प्रताड़ना से तंग आकर की आत्महत्या

इटावा। इटावा जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर एक इंजीनियर पति ने आत्महत्या कर ली। युवक का शव शहर के जौली होटल के एक कमरे से बरामद हुआ है। मृतक द्वारा आत्महत्या से पहले बनाया गया एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें उसने पत्नी और ससुराल पक्ष पर मानसिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। वीडियो में युवक कहता है जब तक आप लोगों को यह वीडियो मिलेगा, मैं इस दुनिया में नहीं रहूंगा। काश, लड़कों के लिए भी कोई कानून होता तो मैं यह कदम नहीं उठाता। मृतक ने अपने माता-पिता से माफी मांगते हुए कहा कि वह अब और प्रताड़ना सहन नहीं कर सकता। मृतक की पहचान औरैया जनपद के दिबियापुर निवासी मोहित यादव के रूप में हुई है, जो नोएडा की एक सीमेंट कंपनी में फील्ड इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने प्रिया यादव नामक युवती से प्रेम विवाह किया था। कुछ समय बाद प्रिया का चयन बिहार के समस्तीपुर में प्राइमरी टीचर के रूप में हुआ। इसके बाद, मोहित का आरोप है कि प्रिया ने ससुराल वालों के इशारे पर प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। मोहित ने आत्महत्या से पहले जारी वीडियो में बताया कि उसकी पत्नी और सास ने उसका मानसिक शोषण किया।

व्यापार जगत

टॉप 10 कंपनियों के मार्केट कैप में 3.84 लाख करोड़ रुपए की बढ़त

एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल को सबसे ज्यादा मुनाफा

एजेंसी | नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में बीते कारोबारी सप्ताह के दौरान जबरदस्त तेजी देखने को मिली। इस रफ्तार का सीधा असर देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूएबल कंपनियों पर पड़ा, जिनका कुल मार्केट कैप 3 दिन के कारोबार में ही 3.84 लाख करोड़ रुपए से अधिक बढ़ गया। इस बढ़त में सबसे ज्यादा फायदा एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल को हुआ।

सभी टॉप कंपनियों का मार्केट कैप बढ़ा

15 से 17 अप्रैल के बीच हुई तेजी में एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, आईटीसी, इंफोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर–सभी कंपनियों का मार्केट कैप बढ़ा और निवेशकों को अच्छा रिटर्न मिला।

एयरटेल और रिलायंस ने भी दिखाई मजबूती

भारती एयरटेल का मार्केट कैप 75,210.77 करोड़ रुपए बढ़कर 10,77,241.74 करोड़ रुपए हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज को 74,766.36 करोड़ रुपए की बढ़त मिली, जिससे उसका मार्केट कैप 17,24,768.59 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

एचडीएफसी बैंक को सबसे बड़ा फायदा

एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 76,483.95 करोड़ रुपए बढ़कर 14,58,934.32 करोड़ रुपए पहुंच गया। यह वृद्धि सप्ताह की सबसे अधिक रही।

अन्य प्रमुख कंपनियों का प्रदर्शन

इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 67,597 करोड़ रुपए के फायदे के साथ उछल कर 10,01,948.86 करोड़ रुपए के स्तर पर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 38,420.49 करोड़ रुपए बढ़ कर 7,11,381.46 करोड़ रुपए के स्तर पर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 24,114.55 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 11,93,588.98 करोड़ रुपए के स्तर पर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 14,712.85 करोड़ रुपए बढ़ कर 5,68,061.13 करोड़ रुपए के स्तर पर, आईटीसी का मार्केट कैप 6,820.20 करोड़ रुपए उछल कर 5,34,665.77 करोड़ रुपए के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 3,987.14 करोड़ रुपए की बढ़ कर 5,89,846.48 करोड़ रुपए के स्तर पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 1,891.42 करोड़ रुपए बढ़ होकर 5,57,945.69 करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया।

टॉप 10 कंपनियों की मार्केट कैप रैंकिंग

मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 17,24,768.59 करोड़ रुपए के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 14,58,934.32 करोड़ रुपए), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 11,93,588.98 करोड़ रुपए), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 10,77,241.74 करोड़ रुपए), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 10,01,948.86 करोड़ रुपए), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 7,11,381.46 करोड़ रुपए), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 5,89,846.48 करोड़ रुपए), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,68,061.13 करोड़ रुपए) हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,57,945.69 करोड़ रुपए) और आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,34,665.77 करोड़ रुपए) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

अमेरिका की चीन पर टैरिफ नीति से भारत के खिलौना उद्योग को मिला मौका

भारतीय कंपनियां अमेरिका में बढ़ती मांग के लिए तैयार

एजेंसी | नई दिल्ली

अमेरिका द्वारा चीनी आयातित खिलौनों पर भारी शुल्क लगाए जाने के बाद भारतीय खिलौना विनिर्माताओं के सामने एक सुनहरा अवसर खुल गया है। अमेरिकी बाजार में चीन के विकल्प की तलाश कर रहे खरीदारों की मांग अब भारत की ओर बढ़ रही है, और देश की कई कंपनियां इस मौके का फायदा उठाने की तैयारी कर रही हैं।

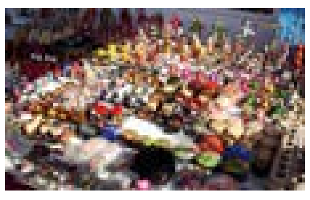

अमेरिकी खरीदारों से बढ़ी पूछताछ

भारतीय खिलौना संघ के अध्यक्ष अजय अग्रवाल के मुताबिक, बीते एक महीने में अमेरिकी खरीदारों की तरफ से पूछताछ में तेज़ी आई है। कई आयातक ऐसे भारतीय निर्माताओं की सूची मांग रहे हैं, जो अमेरिकी सुरक्षा मानकों और नियामकीय आवश्यकताओं का पालन करते हुए 'व्हाइट लेबलिंग' और 'ओईएम' (ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग) के तहत उत्पाद तैयार कर सकें। भारतीय खिलौना संघ ने फिलहाल 40 ऐसी कंपनियों की पहचान की है जो अमेरिका के सख्त अनुपालन नियमों को पूरा कर सकती हैं। इनमें से करीब 20 कंपनियां पहले से ही बड़े स्तर पर अमेरिका को निर्यात कर रही हैं।

आईटी कंपनियों के नतीजे उम्मीद से कम, सतर्क रुख और वैश्विक अनिश्चितता बनी चिंता

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत की प्रमुख आईटी कंपनियों—टीसीएस, इन्फोसिस और विप्रो—ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के नतीजे पेश किए, जो कई मोर्चों पर बाजार की उम्मीदों से कमतर रहे। वैश्विक व्यापारिक अनिश्चितताओं, शुल्क संबंधी समस्याओं और सतर्क ग्राहक व्यवहार के कारण इन कंपनियों ने आने वाले समय के लिए संयमित और सतर्क दृष्टिकोण दिखाया है।

अनिश्चित वैश्विक माहौल का असर

विप्रो के सीईओ और एमडी श्रीनिवास पलिया ने तिमाही नतीजों की घोषणा के दौरान कहा कि सालभर का वैश्विक व्यापारिक वातावरण अस्थिर रहा और हाल ही में लागू शुल्क ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भले ही टेक्नोलॉजी पुनर्निर्माण की मांग बनी हुई है, लेकिन ग्राहक निवेश के फैसलों को लेकर बेहद सतर्क हो गए हैं। जहां परिणामों में निराशा देखने को मिली, वहीं भर्ती के मोर्चे पर थोड़ी राहत देखने को मिली है। टीसीएस, इन्फोसिस और विप्रो ने वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी और चौथी तिमाही के बीच कुल 1,438 नए कर्मचारी जोड़े। इससे पिछली तिमाही में इन कंपनियों ने संयुक्त रूप से 900 से अधिक कर्मचारियों की कटौती की थी। कंपनियों ने वेतन वृद्धि और राजस्व पूर्वानुमानों को लेकर स्पष्टता देने से बचते हुए एक सतर्क रुख दिखाया है। टीसीएस के सीईओ के. कृतिवासन ने कहा कि आने वाला वित्त वर्ष 2025-26 राजस्व के लिहाज से बेहतर हो सकता है, लेकिन चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं।

कोलकाता के बल्लेबाजों की अग्निपरीक्षा, गुजरात से जीत के लिए दिखाना होगा दम

पिछले मैच में फ्लॉप रही बल्लेबाज़ी, अब प्लेऑफ की उम्मीदों को बचाने की चुनौती

एजेंसी । कोलकाता

आईपीएल 2025 में सोमवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना जब मौजूदा टेबल टॉपर गुजरात टाइटंस से होगा, तो केकेआर के बल्लेबाजों पर जबरदस्त दबाव होगा। पिछले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ महज 112 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पूरी टीम सिर्फ 95 रन पर सिमट गई थी।

पिच को लेकर भी असमंजस, घरेलू मैदान पर फायदा नहीं मिल रहा

■ मैच के लिए दो पिचें तैयार की गई हैं, जिनमें से एक पर घास की परत बनी हुई है। कोलकाता का टीम प्रबंधन पहले भी घरेलू पिचों को लेकर नाराजगी जाहिर कर चुका है, क्योंकि उन्हें घरेलू मैदान का अपेक्षित फायदा नहीं मिल रहा है।

गुजरात की गेंदबाज़ी बना सकती है और मुश्किल

■ शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस इस सीजन में शानदार फॉर्म में है। टीम के तेज़ गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा (14 विकेट) और साई किशोर (11 विकेट) लगातार विकेट चटका रहे हैं। बल्लेबाजी में बी साई सुदर्शन 365 रनों के साथ ऑरेंज कैप की दौड़ में हैं, जबकि जोस बटलर 315 रन बनाकर तीसरे स्थान पर हैं।

बल्लेबाज़ी में निरंतरता की कमी, पांच में से चार प्रमुख बल्लेबाज फ्लॉप

■ वेंकटेश अय्यर, रमनदीप सिंह, आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह जैसे बल्लेबाज उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके हैं। टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी अय्यर ने अब तक सिर्फ 121 रन बनाए हैं, जबकि रमनदीप 6 पारियों में सिर्फ 29 रन ही बना सके हैं। रसेल भी पांच पारियों में महज 34 रन ही जोड़ पाए हैं। केवल कप्तान अजिंक्य रहाणे (221 रन) और युवा अंगकृष रघुवंशी (170 रन) ने कुछ हद तक बल्लेबाजी में दम दिखाया है। टॉप ऑर्डर में क्विंटन डी कॉक और सुनील नारायण ने शुरुआत जरूर दिलाई, लेकिन उसमें निरंतरता का अभाव है।

टीम में हुई पुरानी सोच की वापसी, अभिषेक नायर फिर जुड़े केकेआर से

■ वेंकटेश अय्यर, रमनदीप सिंह, आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह जैसे बल्लेबाज उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके हैं। टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी अय्यर ने अब तक सिर्फ 121 रन बनाए हैं, जबकि रमनदीप 6 पारियों में सिर्फ 29 रन ही बना सके हैं। रसेल भी पांच पारियों में महज 34 रन ही जोड़ पाए हैं। केवल कप्तान अजिंक्य रहाणे (221 रन) और युवा अंगकृष रघुवंशी (170 रन) ने कुछ हद तक बल्लेबाजी में दम दिखाया है। टॉप ऑर्डर में क्विंटन डी कॉक और सुनील नारायण ने शुरुआत जरूर दिलाई, लेकिन उसमें निरंतरता का अभाव है। बल्लेबाजों की कमजोरियों को सुधारने के लिए टीम ने पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर को दोबारा जोड़ा है। हाल ही में बीसीसीआई द्वारा भारतीय टीम से हटाए गए नायर को केकेआर ने फिर से अपनी टीम का हिस्सा बना लिया है।

आईएसएसएफ विश्व कप

अर्जुन बबूता को रजत, स्वर्ण से चूके सिर्फ 0.1 अंक से

10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में चीन के ओलंपिक चैंपियन से कड़ी टक्कर

एजेंसी । लीमा (पेरू)

भारतीय निशानेबाज अर्जुन बबूता ने आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। पेरू की राजधानी लीमा में शनिवार को हुए फाइनल मुकाबले में अर्जुन महज 0.1 अंक से स्वर्ण पदक चूक गए। मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चीन के शेंग लिहाओ ने स्वर्ण पदक जीता।

आखिरी शॉट पर चूके अर्जुन, सिर्फ 0.1 अंक से पीछे

■ अर्जुन बबूता ने फाइनल में 252.3 अंक हासिल किए, जबकि चीनी शूटर शेंग लिहाओ ने 252.4 अंक के साथ पहला स्थान हासिल किया। निर्णायक क्षण में अर्जुन को स्वर्ण जीतने के लिए 10.7 स्कोर की जरूरत थी, लेकिन वह 10.5 ही कर सके। हंगरी के इस्तवान मार्टन पेनी ने 229.8 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता।

अर्जुन को बधाइयों की बौछार

■ भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने अर्जुन के प्रदर्शन पर खुशी जाहिर करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ₹अर्जुन बबूता ने लीमा, पेरू में आईएसएसएफ विश्व कप 2025 में रजत पदक जीता। वह मौजूदा ओलंपिक चैंपियन से केवल 0.1 अंक से पीछे रहे।

शुभमन गिल पर धीमी ओवर गति के लिए लगा जुर्माना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर धीमी ओवर गति के कारण 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल ने इसको लेकर जारी बयान में बताया कि गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर उनकी टीम द्वारा अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मैच नंबर 35 के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है। चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का इस सत्र का पहला अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, इसलिए गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। गुजरात ने दर्ज की जीतअहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में शनिवार को खेले गए इस मैच में गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सात विकेट से जीत दर्ज की थी। मैच में दिल्ली की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 203 रन बनाए थे।

अजहरुद्दीन का फूटा गुस्सा

"देश के लिए 17 साल खेला, अब नाम हटाया जा रहा है"

▶▶ हैदराबाद स्टेडियम से नाम हटाने पर बोले पूर्व कप्तान – कोर्ट जाऊंगा

एजेंसी । हैदराबाद

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन एक बार फिर सुर्खियों में हैं। वजह है हैदराबाद क्रिकेट स्टेडियम से उनका नाम हटाया जाना। जैसे ही उन्हें इस फैसले की जानकारी मिली, उन्होंने नाराजगी जाहिर की और कोर्ट जाने की बात कही। अजहरुद्दीन ने कहा कि उन्होंने 17 साल तक क्रिकेट खेला है, जिनमें 10 साल टीम इंडिया की कप्तानी की है, ऐसे में यह फैसला

'हैदराबाद के साथ ही ऐसा क्यों?'

अजहरुद्दीन ने सवाल उठाया कि हमेशा हैदराबाद के क्रिकेटरों के साथ ही ऐसा व्यवहार क्यों किया जाता है। उन्होंने इसे एक "दयनीय स्थिति" बताया और कहा कि वो न्याय की लड़ाई लड़ेंगे।

हितों के टकराव का आरोप, लोकपाल का आदेश

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (HCA) के एथिक्स ऑफिसर और लोकपाल जस्टिस वी. ईश्वरैया के आदेश के बाद स्टेडियम के स्टैंड से अजहरुद्दीन का नाम हटाया गया। यह निर्णय लॉर्ड्स क्रिकेट क्लब की याचिका पर आया, जिसमें उन पर हितों के टकराव का आरोप लगाया गया था।

'दुनिया हंसेगी हैदराबाद क्रिकेट पर'

अजहरुद्दीन ने कहा कि उन्हें हितों के टकराव का कोई आधार नजर नहीं आता। उन्होंने कहा, 'मैं इस मामले पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करना चाहता, लेकिन मैं इतना जरूर कहूंगा कि मैं इतना नीचे नहीं गिरूंगा कि दुनिया की क्रिकेट बिरादरी हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन पर हंसे।'अजहरुद्दीन ने साफ कहा, मैंने 17 साल तक क्रिकेट खेला है।

मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत की शानदार शुरुआत

अम्मान। भारत ने एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में हार्दिक दहिया और रुद्राक्ष सिंह की जीत के साथ अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। अंडर-15 लड़कों के वर्ग में हार्दिक (43 किग्रा) ने शनिवार को किर्गिस्तान के कुबनिचबेक बोलुशोव को 5-0 से हराया। रुद्राक्ष (46 किग्रा) ने इसके बाद मंगोलिया के इब्राहिम मराल को 5-0 से आसानी से हराया। यह पहली प्रतियोगिता है जिसका आयोजन एशियाई मुक्केबाजी कर रहा है। इसे एशियाई ओलंपिक परिषद और नवगठित विश्व मुक्केबाजी दोनों का समर्थन हासिल है। भारत ने टूर्नामेंट में 56 सदस्यीय टीम उतारी है।

RCB की बॉलिंग का भी जवाब नहीं, 8 मैच में किसी टीम के ओपनर नहीं कर सके ये कमाल

एजेंसी । नई दिल्ली

पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच इंडियन प्रीमियर लीग का 2025 का 37वां मैच खेला गया। आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पंजाब किंग्स की टीम पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरी। PBKS के प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्या ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 26 गेंदों में 42 रनों की साझेदारी की। इस जोड़ी को क्रुणाल पंड्या ने तोड़ा। उन्होंने प्रियांश को टिम डेविड के हाथों कैच कराया। इसके साथ ही इस सीजन में लगातार 8वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ कोई टीम पहले विकेट के लिए 50 रनों की पार्टनरशिप नहीं कर पाई। इस सीजन में आरसीबी ने अब तक 8 मैच खेले हैं। इन सभी मैचों में टीम के गेंदबाजों ने शुरुआत में विकेट झटके हैं। 22 मार्च को KKR के खिलाफ अपने पहले मैच में RCB ने इसकी शुरुआत की थी। उस मैच में केकेआर का पहला विकेट केवल

4 रन के स्कोर पर गिर गया था। दूसरे मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के साथ भी ऐसा ही हुआ और उसको पहला झटका 8 रन के स्कोर पर लगा। तीसरे मैच में RCB के खिलाफ गुजरात टाइटंस ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन वह 50 रनों की साझेदारी नहीं कर पाई। उसका पहला विकेट 32 रन के स्कोर पर गिरा। चौथे मैच में RCB के खिलाफ मुंबई इंडियंस का पहला विकेट 21 रन के स्कोर पर गिरा।

RR ने की सबसे बड़ी साझेदारी

■ पांचवें मैच में दिल्ली कैपिटल्स का पहला विकेट 9 रन के स्कोर पर गिरा। छठे मैच में आरसीबी के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाजों ने कुछ संघर्ष किया और पहले विकेट के लिए 49 रनों की साझेदारी की, लेकिन वे भी अर्धशतकीय साझेदारी नहीं निभा पाए। आरसीबी ने अपना सातवां मैच पंजाब किंग्स के खिलाफ खेला। इस मैच में पंजाब किंग्स का पहला विकेट 22 रन के स्कोर पर गिरा। आठवां मैच भी आरसीबी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ ही खेला। इस मैच में भी पंजाब किंग्स ने तेज शुरुआत के बाद 42 रन पर अपना पहला विकेट गंवा दिया।

बॉ ली वु ड

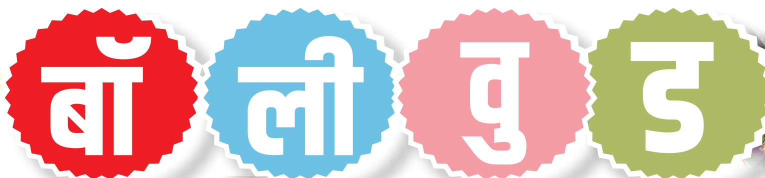

श्रद्धा ने करियर में छोड़ा प्यार को भी पीछे

बॉलीवुड में कई ऐसे एक्टर्स हैं जिन्होंने पर्दे पर खलनायक बनकर खूब सुर्खियां बटोरीं, लेकिन उनके बच्चे आज फिल्मी दुनिया में लीड रोल निभाकर छा गए हैं। ऐसी ही एक एक्ट्रेस हैं श्रद्धा कपूर, जो मशहूर विलेन शक्ति कपूर की बेटी हैं। श्रद्धा ने न सिर्फ अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीता, बल्कि बचपन में एक मशहूर एक्टर को प्रपोज कर सुर्खियां भी बटोरी थीं।

बचपन में वरुण धवन को किया था प्रपोज

■ श्रद्धा कपूर और वरुण धवन की दोस्ती बचपन से है। एक इंटरव्यू में श्रद्धा ने बताया था कि जब उनके पिता शक्ति कपूर और वरुण के पिता डेविड धवन किसी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त थे, तब श्रद्धा और वरुण एक पहाड़ी पर गए थे। उस वक्त श्रद्धा ने वरुण को प्रपोज कर दिया था, क्योंकि उन्हें वरुण पर क्रश था। हालांकि वरुण ने उनका प्रपोजल ठुकरा दिया था।

'स्त्री 2' से बनाया 800 करोड़ का रिकॉर्ड

■ श्रद्धा कपूर ने अपने करियर की शुरुआत 2010 में फिल्म 'तीन पत्ती' से की थी, लेकिन उन्हें असली पहचान 2013 की सुपरहिट फिल्म 'आशिकी 2' से मिली। इसके बाद उन्होंने कई हिट फिल्में दीं, लेकिन 2024 में रिलीज हुई 'स्त्री 2' ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया। फिल्म ने वर्ल्डवाइड 800 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की और श्रद्धा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया।

'स्त्री 2' से बनाया 800 करोड़ का रिकॉर्ड

■ बचपन की अधूरी मोहब्बत को पीछे छोड़ते हुए श्रद्धा कपूर ने अपने टैलेंट और मेहनत से फिल्म इंडस्ट्री में खास मुकाम हासिल किया। आज वह बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार हैं और अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं।

अमिताभ को गलती से मारा पंच, पुनीत इस्सर की 8-10 फिल्में गईं हाथ से

हिंदी सिनेमा के शहंशाह अमिताभ बच्चन को लेकर एक हादसा आज भी लोगों की यादों में ताजा है। यह हादसा 1983 की सुपरहिट फिल्म 'कुली' की शूटिंग के दौरान हुआ था, जब एक फाइट सीन में अभिनेता पुनीत इस्सर का एक पंच बिग बी को भारी पड़ गया। सीन के दौरान हुई गलती के चलते अमिताभ बच्चन को गंभीर चोट आई और उन्हें लंबे वक्त तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। अमिताभ बच्चन की हालत उस वक्त इतनी गंभीर थी कि उनके फैंस देशभर में उनके ठीक होने की दुआ करने लगे। लेकिन इस हादसे का असर सिर्फ बिग बी तक सीमित नहीं रहा। इसके बाद अभिनेता पुनीत इस्सर को लेकर गलतफहमियों और अफवाहों का दौर शुरू हो गया। हाल ही में एक इंटरव्यू में पुनीत इस्सर ने उस मुश्किल वक्त को याद करते हुए बताया कि इस एक सीन की वजह से उनका करियर थम सा गया था। उन्होंने कहा, 'लोगों ने मेरे बारे में अफवाहें फैलानी शुरू कर दी थीं कि मैं आठवीं डिग्री का ब्लैक बेल्ट हूं। सब डर गए थे। जबकि सच्चाई यह थी कि वो पंच बहुत हल्का था।' उन्होंने आगे बताया, 'मैं उस समय सिर्फ 21-22 साल का था। मैंने आठ-दस फिल्में साइन कर रखी थीं, लेकिन उस हादसे के बाद सबने हाथ खींच लिया। बड़े-बड़े डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स की फिल्में मेरे हाथ से निकल गईं।'

दूसरे दिन बढ़ी फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' की कमाई

जलियांवाला बाग कांड पर बनी अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरी : चैप्टर 2' के दूसरे दिन के कलेक्शन के आंकड़े सामने आ गए हैं। पहले दिन की तुलना में फिल्म के दूसरे दिन के कलेक्शन में वृद्धि हुई है। दूसरे दिन का कलेक्शन पहले दिन की तुलना में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आर. माधवन, अक्षय कुमार और अनन्या पांडे की मुख्य भूमिकाओं वाली 'केसरीः चैप्टर 2' शुक्रवार 18 अप्रैल को रिलीज हुई है। फिल्म ने पहले दिन अच्छी कमाई की थी। फिल्म 'केसरी : चैप्टर 2' देश में आजादी के लिए चले आंदोलनों के दौरान वर्ष 1919 में जलियांवाला बाग नरसंहार की भयावह घटनाओं की कहानी को एक बार फिर दर्शकों के सामने लाई है।

'दिलवाले' के बाद शाहरुख-रोहित ने नहीं किया साथ काम

शाहरुख खान और रोहित शेट्टी की जोड़ी ने साल 2013 में 'चेन्नई एक्सप्रेस' से पहली बार साथ काम किया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की और ब्लॉकबस्टर साबित हुई। इसके बाद साल 2015 में दोनों 'दिलवाले' लेकर आए, लेकिन ये फिल्म 'चेन्नई एक्सप्रेस' की तरह सफल नहीं हो पाई और इसे सेमी-हिट का टैग मिला। तब से अब तक दोनों ने साथ कोई प्रोजेक्ट नहीं किया। हाल ही में रोहित शेट्टी से शाहरुख संग रिश्ते को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा, "नहीं, ऐसा कुछ नहीं है। हमारे बीच इज्जत का रिश्ता है।" उन्होंने इस बात से इनकार किया कि 'दिलवाले' की परफॉर्मेंस की वजह से उनके रिश्तों में दरार आई। रोहित शेट्टी ने बताया कि 'दिलवाले' के बाद उन्होंने और शाहरुख ने अपनी-अपनी प्रोडक्शन कंपनियों पर फोकस करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, "हमने सोचा कि अब खुद की फिल्में बनाएंगे ताकि अगर नुकसान हो भी तो हमारा ही हो। वैसे 'दिलवाले' से हमें नुकसान नहीं हुआ था। विदेशों में फिल्म ने अच्छा बिजनेस किया था।"

शाहीन भट्ट ने रिलेशनशिप किया ऑफिशियल

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट की बहन शाहीन भट्ट आमतौर पर लाइमलाइट से दूर रहती हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर वह अपनी जिंदगी से जुड़ी बातें खुलकर साझा करती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियल कर दिया है। शाहीन ने बॉयफ्रेंड ईशान मेहरा के बर्थडे पर इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कर अपने प्यार का इज़हार किया। शाहीन भट्ट ने ईशान मेहरा संग तीन तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। पहली फोटो में वह ईशान के कंधे पर सिर रखे मुस्कुरा रही हैं। दूसरी तस्वीर ईशान की सोलो फोटो है, जबकि तीसरी में दोनों के पैरों की झलक दिखाई गई है। इन तस्वीरों के साथ शाहीन ने कैप्शन में लिखा, "हैपी बर्थडे सनशाइन।" बह न की इस पोस्ट पर आलिया भट्ट ने भी प्यार भरा रिएक्शन दिया। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट शेयर करते हुए ईशान को टैग किया और लिखा, "हैपी हैपी बर्थडे हमारे पसंदीदा साथी।" शाहीन की इस पोस्ट पर कई सेलेब्स ने भी कमेंट किया।

भगोड़ा घोषित करने की मांग पर संजय भंडारी का एतराज

एजेंसी । नई दिल्ली

हथियार डीलर संजय भंडारी ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) द्वारा उसे भगोड़ा घोषित करने की मांग पर कड़ी आपत्ति जताई है। दिल्ली की एक अदालत में भंडारी ने कहा कि ED की अर्जी कानूनी रूप से गलत है और उसका ब्रिटेन में रहना पूरी तरह वैध है। अदालत ने भंडारी की इन दलीलों पर ईडी से 3 मई तक जवाब मांगा है।

लंदन हाई कोर्ट के फैसले का हवाला, कोर्ट ने ED से 3 मई तक मांगा जवाब

लंदन हाई कोर्ट के फैसले को बनाया आधार

भंडारी ने लंदन हाई कोर्ट के उस आदेश का हवाला दिया जिसमें उसे भारत प्रत्यर्पित करने से इनकार कर दिया गया था। उसने कहा कि कोर्ट ने माना है कि तिहाड़ जेल में उसे जबरन वसूली, धमकी और हिंसा का खतरा है। भंडारी ने इंग्लैंड की एक अन्य अदालत के हालिया फैसले का भी जिक्र किया जिसमें भारत सरकार की प्रत्यर्पण की मांग को खारिज किया गया था।

'ब्रिटेन में रहना अवैध नहीं' : वकील

भंडारी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने कोर्ट में कहा कि उनके मुवक्किल को ब्रिटेन में कानूनी रूप से रहने का अधिकार है। ऐसे में उसे भगोड़ा घोषित करने की ED की कोशिश वैध नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार भी ब्रिटेन की अदालत के आदेशों से बंधी हुई है।

'भंडारी के खिलाफ कोई नया वारंट नहीं'

वकील ने बताया कि जिन गैर-जमानती वारंटों के आधार पर भंडारी को ब्रिटेन में हिरासत में लिया गया था, वे अब रद्द हो चुके हैं और वर्तमान में कोई नया वारंट लंबित नहीं है। दिल्ली की कोर्ट ने इस पर ईडी को 3 मई तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। भंडारी के वकील ने कहा कि भगोड़ा अपराधी अधिनियम के तहत किसी व्यक्ति को तभी भगोड़ा घोषित किया जा सकता है जब उसके खिलाफ 100 करोड़ रुपए या उससे अधिक की आर्थिक धोखाधड़ी का मामला हो। जबकि इस मामले में इतनी बड़ी रकम का कोई प्रमाण नहीं है।

सीएम योगी का हेलीकॉप्टर टेक ऑफ करते समय डगमगाया

एजेंसी । नई दिल्ली

कानपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी दौरे की तैयारियों के बीच, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को शहर में 20631 करोड़ रुपये की 11 परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान पीएम मोदी द्वारा आठ परियोजनाओं का लोकार्पण और तीन का शिलान्यास भी किया जाएगा।

हेलीकॉप्टर की उड़ान में तकनीकी समस्या

सीएम योगी, मेट्रो स्टेशन समेत कई परियोजनाओं का निरीक्षण करने के बाद, लखनऊ लौटने के लिए चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय पहुंचे। यहां से हेलीकॉप्टर के टेक ऑफ के दौरान, तेज हवाओं के कारण हेलीकॉप्टर कुछ सेकंड बाद ही डगमगा गया और दिशा बदलने लगा। इस घटनाक्रम से अधिकारियों में घबराहट फैल गई।

भोपाल में हादसे के बाद शर्मनाक लूटपाट

● तेल से भरा ट्रक पलटा, घायल क्लीनर को छोड़ लोग लूटते रहे पीपे

एजेंसी । भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक दिल दहला देने वाली और इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां सरसों के तेल से भरा एक ट्रक सड़क हादसे में पलट गया। दुर्घटना के बाद जहां राहत और बचाव कार्य की उम्मीद थी, वहां लोग लूटपाट में लग गए। ट्रक में फंसे खलासी को मदद की सख्त जरूरत थी, लेकिन लोग पीपे लूटने में मशगूल रहे। समय पर इलाज न मिलने की वजह से क्लीनर की जान चली गई, जबकि ड्राइवर गंभीर रूप से घायल है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नींद की झपकी बनी हादसे की वजह

राजस्थान से 22 टन सरसों तेल लेकर नागपुर जा रहा ट्रक जैसे ही भोपाल के पास पहुंचा, चालक को झपकी आ गई। इससे ट्रक सड़क किनारे खड़े एक डंपर से जा टकराया और पलट गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और आवाज आधा किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और ड्राइवर को किसी तरह बाहर निकाला।

कार सवारों ने भी दिखाया लालच

हाईवे पर हुई इस घटना में वहां से गुजर रहे कार चालक भी पीछे नहीं रहे। कई कार चालकों ने अपनी गाड़ियों में तेल के पीपे भर लिए। एक शख्स ने तो कार में बैठे लोगों को उतारकर दूसरी गाड़ी से आने को कह दिया और गाड़ी को पीपों से भर दिया। पुलिस के अनुसार, मौके से 100 से अधिक पीपे लूट लिए गए थे। हालांकि बाकी माल को जब्त कर लिया गया है और लूट के आरोप में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

निशिकांत दुबे ने एसवाई कुरैशी पर साधा निशाना

कहा 'वह चुनाव आयुक्त नहीं, मुस्लिम आयुक्त थे'

एजेंसी । नई दिल्ली

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने रविवार को पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कुरैशी चुनाव आयुक्त नहीं बल्कि एक ₹मुस्लिम आयुक्त₹ थे। दुबे का यह बयान कुरैशी द्वारा वक्फ कानून की आलोचना करने के बाद आया है, जिसमें उन्होंने इसे मुस्लिमों की जमीन हड़पने की सरकारी योजना बताया था। एसवाई कुरैशी ने 17 अप्रैल को अपने X पोस्ट में आरोप लगाया था कि वक्फ (संशोधन) कानून मुस्लिमों की जमीन हड़पने के लिए सरकार की एक खतरनाक योजना है। उन्होंने इस पर सुप्रीम

निशिकांत दुबे ने कुरैशी पर किया पलटवार

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कुरैशी के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठियों को मतदाता बना दिया था, खासकर झारखंड के संथाल परगना में। दुबे ने आरोप लगाया कि कुरैशी के कार्यकाल में यह कार्य हुआ और कहा कि इस्लाम भारत में 712 ई. में आया था, जबकि उस समय की जमीन हिंदुओं और आदिवासियों की थी।

भारत दौरे से पहले कांग्रेस का सरकार पर वार

'क्या डिपोर्टेशन और ट्रेड डील पर अमेरिकी उपराष्ट्रपति से होगी चर्चा?'

एजेंसी । नई दिल्ली

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सोमवार को चार दिवसीय भारत दौरे पर पहुंच रहे हैं। उनकी इस अहम यात्रा से पहले कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कई सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस ने पूछा है कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी धरती से भारतीयों के डिपोर्टेशन, मल्टीलेटरल ट्रेड सिस्टम में गिरावट और पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका की वापसी जैसे मुद्दों पर भारत की चिंताओं को स्पष्ट रूप से सामने रखेंगे?

कांग्रेस ने उठाए भारतीय छात्रों और किसानों के मुद्दे

कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर सवाल उठाया कि क्या प्रधानमंत्री भारतीय छात्रों की समस्याओं, पेरिस क्लाइमेट डील से अमेरिका के हटने से भारत की आजीविका पर पड़ने वाले प्रभाव और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) से अमेरिका की दूरी पर खुलकर अपनी बात रखेंगे? उन्होंने कहा कि अमेरिका के फैसलों का असर भारत के करोड़ों लोगों की जिंदगी पर पड़ सकता है।

द्विपक्षीय व्यापार पर भी कांग्रेस ने जताई चिंता

जयराम रमेश ने यह भी पूछा कि क्या पीएम मोदी यह स्पष्ट करेंगे कि भारत द्विपक्षीय व्यापारिक बदलावों के खिलाफ अपने किसानों, उद्योगों और MSMES के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है? उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हो रही ट्रेड डील में भारत के हितों से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

परिवार के साथ भारत आ रहे हैं वेंस

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और तीन बच्चों के साथ भारत आ रहे हैं। वह दिल्ली पहुंचने के बाद शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। इस दौरान पीएम मोदी उनके सम्मान में रात्रिभोज भी देंगे। बैठक में व्यापार, सुरक्षा, निवेश और रणनीतिक साझेदारी जैसे अहम विषयों पर बातचीत होगी।

ट्रेड डील और टैरिफ पर हो सकती है गहन चर्चा

जेडी वेंस की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में 60 देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, जिस पर अभी रोक लगी हुई है। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर कई दौर की बातचीत हो चुकी है और वेंस की यात्रा के दौरान इस दिशा में अहम प्रगति की उम्मीद की जा रही है।

कर्नाटक में पूर्व DGP की हत्या से सनसनी

पत्नी पर हत्या का शक, मानसिक तनाव बनी वजह

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक के पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश की हत्या ने सनसनी मचा दी है। उनका खून से लथपथ शव बेंगलुरु के एचएसआर लेआउट स्थित उनके घर में मिला। शुरुआती जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि यह हत्या किसी बाहरी दुश्मन ने नहीं, बल्कि उनकी पत्नी ने ही की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन जांच जारी है।

पत्नी ने दी थी घटना की सूचना

1981 बैच के आईपीएस अफसर ओम प्रकाश वर्ष 2015 में कर्नाटक के 38वें डीजीपी बने थे। मूल रूप से बिहार के चंपारण जिले के रहने वाले ओम प्रकाश रिटायरमेंट के बाद परिवार सहित बेंगलुरु में रह रहे थे। पुलिस के अनुसार, वारदात की सूचना खुद उनकी पत्नी ने दी। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि वह मानसिक तनाव से गुजर रही थीं, और इसी तनाव में उन्होंने यह कदम उठाया। फिलहाल पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

कई अहम पदों पर रह चुके थे ओम प्रकाश

अपने लंबे और प्रभावशाली करियर में ओम प्रकाश ने कर्नाटक होमगार्ड्स के कमांडेंट जनरल, नागरिक सुरक्षा के निदेशक और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं के महानिदेशक जैसे पदों पर कार्य किया। उन्होंने आईपीएस करियर की शुरुआत कर्नाटक के बेल्लारी जिले में हरपनहल्ली उप-मंडल के एएसपी के रूप में की थी। ओम प्रकाश की कानून व्यवस्था में मजबूत पकड़ की झलक 1993 के भटकल दंगों में देखने को मिली, जब उन्होंने सांप्रदायिक तनाव को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा उन्होंने राज्य सतर्कता आयोग, कर्नाटक लोकायुक्त, सीआईडी, परिवहन आयुक्त, डीआईजी (प्रशासन), डीआईजी-उत्तर क्षेत्र, डीआईजी-प्रशिक्षण और फायर ब्रिगेड जैसी कई जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया।

कतर की मध्यस्थता पर संकट के बादल

हमास-इजराइल संघर्ष में नाकाम वार्ता से थका खाड़ी देश

एजेंसी । नई दिल्ली

हमास और इजराइल के बीच जारी संघर्ष को रोकने के लिए कतर लगातार मध्यस्थता कर रहा है, लेकिन बार-बार की कोशिशों के बावजूद सफलता नहीं मिल पा रही है। युद्ध की शुरुआत से सक्रिय कतर अब इस प्रक्रिया से थक और निराश हो चुका है। इस साल मार्च में ट्रंप के प्रस्ताव पर हुए सीजफायर को इजराइल ने 18 मार्च को तोड़ दिया था, जिसके बाद कतर ने फिर से वार्ता की कोशिशें तेज कीं।

धीमी वार्ता प्रक्रिया से कतर निराश

कतर के मुख्य वार्ताकार मोहम्मद अल-खुलैफी ने युद्ध विराम के प्रयासों में आ रही सुस्ती पर नाराजगी जताई है। समाचार एजेंसी AFP से बातचीत में उन्होंने कहा, "हम बातचीत की धीमी प्रक्रिया से निश्चित रूप से निराश हैं। यह एक गंभीर और मानवीय मामला है।

संघर्ष विराम की कोशिशें जारी

मार्च में संघर्ष विराम का पहला चरण खत्म हो गया था क्योंकि दोनों पक्ष भविष्य के लिए किसी ठोस योजना पर सहमति नहीं बना सके। खुलैफी ने बताया कि कतर लगातार प्रयास कर रहा है कि दोनों पक्षों को दोबारा वार्ता की मेज पर लाया जा सके और पूर्व समझौते को दोबारा जीवित किया जा सके।

अमेरिका और मिस्र के साथ मिलकर चल रही मध्यस्थता

कतर इस प्रक्रिया में अमेरिका और मिस्र के साथ भी मिलकर काम कर रहा है। हालांकि इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कतर पर हमास को समर्थन देने का आरोप भी लगाया है, जिससे वार्ता में और मुश्किलें पैदा हो गई हैं।

गाजा में बढ़ता मानवीय संकट

जैसे-जैसे संघर्ष आगे बढ़ रहा है, गाजा में मानवीय स्थिति और बिगड़ती जा रही है। इजराइल ने गाजा में राहत सामग्री की आपूर्ति लगभग बंद कर दी है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, बीते दो दिनों में हुए इजराइली हमलों में 90 फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है।

हिमाचल की राजनीति में वापसी की संभावना नहीं: जेपी नड्डा

एजेंसी । धर्मशाला

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने रविवार को हिमाचल प्रदेश की राजनीति में वापसी की संभावना से इनकार किया। उन्होंने कहा कि राज्य की राजनीति में लौटने का उनका कोई इरादा नहीं है। नड्डा का यह बयान तब आया, जब पत्रकारों ने उनसे प्रदेश की राजनीति में फिर से सक्रिय होने की संभावना के बारे में पूछा। नड्डा ने यह भी बताया कि प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष का चुनाव जल्द ही किया जाएगा। उन्होंने यह जानकारी देते हुए कहा कि पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया के लिए कई राज्यों में प्रमुखों की नियुक्ति करने वाली है, जिसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव भी शुरू किया जाएगा।

सुक्खू सरकार को बताया सबसे भ्रष्ट

नड्डा ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार को देश की कांग्रेस सरकारों में सबसे भ्रष्ट करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि हिमाचल सरकार ने करोड़ों रुपये के विज्ञापन नेशनल हेराल्ड को दिए हैं, जिसका कोई प्रकाशन नहीं हो रहा है। नड्डा ने कहा कि सरकार वित्तीय कुप्रबंधन में सबसे ऊपर है।

कांग्रेस सरकार पर हमलावर हुए नड्डा

नड्डा ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से कहा कि यदि वे राज्य की सरकार नहीं चला सकते तो उन्हें इसे छोड़ देना चाहिए और दूसरों को दोष नहीं देना चाहिए। उन्होंने बीजेपी द्वारा की गई विभिन्न पहलें, जैसे कि पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा दी गई परियोजनाओं का हवाला दिया, और कांग्रेस की भूमिका को नकारा।

घर की दहलीज पर मां को कुल्हाड़ी से काटा

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम के पीलीखंती में मां-बेटी की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी गई। रविवार शाम करीब पांच बजे मां बेटी की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई। महिला का शव मकान की दहलीज पर मिला। वहीं, महिला की बेटी का शव घर से थोड़ी दूर बरामद हुआ। महिला की एक अन्य बेटी और बेटा भी है। दिन दिहाड़े हुई इस हत्या ने इलाके में सनसनी पैदा कर दी है।। हत्याकांड के पीछे मकान का विवाद होने का संदेह है। पुलिस लगातार लोगों से पूछताछ कर रही है। हत्या की जानकारी मिलते ही एसपी डॉ गुरकरन सिंह, एएसपी आशुतोष मिश्रा घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। घटनास्थल से दो युवकों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस ने हत्याकांड में उपयोग की गई कुल्हाड़ी भी जब्त कर ली है।

AAP ने बीजेपी सरकार पर लगाया झूठ बोलने और काम न करने का आरोप

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली में बीजेपी और आम आदमी पार्टी (AAP) के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है। AAP के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एक बार फिर से बीजेपी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि दो महीने पूरे होने पर बीजेपी को किसी बड़ी योजना का ऐलान करना चाहिए था, लेकिन इसके बजाय बीजेपी की सरकार फुलेरा की पंचायत बन गई है। रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सौरभ भारद्वाज ने बीजेपी पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि 2015 की एक अखबार की रिपोर्ट में यह कहा गया था कि जल बोर्ड के टैंकरों में GPS लगे थे और इन्हें मॉनिटर किया जा सकता था। उन्होंने यह भी बताया कि 2023 और 2024 में भी इन टैंकरों में GPS लगे थे।

सौरभ भारद्वाज ने बीजेपी सरकार की आलोचना की

रेखा सरकार पर बयानबाजी का आरोप

सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली सरकार की रेखा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री यह दावा कर रही हैं कि GPS लगे टैंकरों की शुरुआत की गई है। उन्होंने तंज करते हुए कहा कि कोई इतना झूठ कैसे बोल सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सिर्फ बयानबाजी और हेडलाइंस के लिए काम कर रही है, और यह कि 1111 टैंकरों की शुरुआत एक नौटंकी से ज्यादा कुछ नहीं है।

बजट को लेकर भी सरकार पर हमला

सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली सरकार के बजट पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने एक लाख करोड़ का बजट दिया है, जो झूठा है। उनका कहना था कि सरकार ने पहले बजट तय किया और फिर उसमें रेवेन्यू एड करके उसे डिवाइड किया। उन्होंने कहा कि इस तरह से सरकार नहीं चल सकती।

तेल बाजार में गिरावट का दौर

अफवाहों से डगमगाया कारोबार, खाने के तेल के दामों में आई कमी

एजेंसी । नई दिल्ली

देश के तेल बाजार में बीते हफ्ते अफवाहों का ऐसा असर हुआ कि सोयाबीन और मूंगफली जैसे प्रमुख तेलों की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। सहकारी संस्था नेफेड द्वारा 21 अप्रैल से सोयाबीन बिक्री की खबरों और गुजरात में मूंगफली की सरकारी बिक्री ने बाजार में घबराहट का माहौल बना दिया, जिससे कारोबारी धारणा प्रभावित हुई और खाने के तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिली।

सोयाबीन बिक्री की अफवाहों से बिगड़ा संतुलन

बाजार सूत्रों के अनुसार, नेफेड की संभावित सोयाबीन बिक्री की खबरों ने कारोबारियों को चिंता में डाल दिया। पहले से ही गुजरात में सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य से 17-18% कम कीमत पर मूंगफली बेच रही थी। इन दो घटनाओं ने मिलकर बाजार को और कमजोर किया। कच्चे पाम तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें 1,125-1,130 डॉलर प्रति टन से घटकर 1,100-1,105 डॉलर प्रति टन

सरकारी फैसले भी बेअसर, आयातकों की हालत खराब

हालांकि सरकार ने सोयाबीन डीगम पर आयात शुल्क 81 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाकर बाजार को मजबूत करने की कोशिश की थी, लेकिन अफवाहों की मार के चलते इसका कोई असर नहीं दिखा। आयातकों की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण वे तेल को लागत से भी कम कीमत पर बेचने को मजबूर हैं। सरसों और मूंगफली तेल की कीमतें भी इस गिरावट की चपेट में आ गई हैं।

बिक्री पर रोक की मांग, किसान चिंता में

सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन (सोपा) ने नेफेड की संभावित बिक्री पर रोक लगाने की मांग की है। संगठन का कहना है कि इस तरह की बिक्री से किसानों की बोवाई पर असर पड़ेगा और उत्पादन में गिरावट हो सकती है। एक्सपर्ट्स का भी मानना है कि ऐसी रणनीतियां खेती के लिए नुकसानदेह हैं।

आम लागों को राहत नहीं

बाजार सूत्रों का कहना है कि थोक बाजार में दाम कम होने के बावजूद आम उपभोक्ताओं को कोई खास राहत नहीं मिल रही है। उदाहरण के तौर पर, मूंगफली तेल का थोक दाम गिरने के बावजूद यह खुदरा बाजार में 195 रुपये प्रति लीटर तक बिक रहा है।

सूरजमुखी तेल पूरी तरह आयात पर निर्भर

किसानों के भरोसे में आई कमी का असर फसलों पर साफ दिख रहा है। पहले जहां आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में सूरजमुखी और मूंगफली की खेती जोरों पर थी, अब वहां उत्पादन बेहद कम हो गया है। ऐसे में देश सूरजमुखी तेल के लिए पूरी तरह आयात पर निर्भर हो गया है।